गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं

शुभम संदेश

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in

शुक्रवार, 26 जनवरी 2024 ● माघ कृष्ण पक्ष प्रतिपदा, संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 279

आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

सीआरपीएफ पर एफआईआर मामले में राज्यपाल-झामुमो आमने-सामने

सीआरपीएफ पर केस दर्ज करवाना गलतः राज्यपाल

विशेष संवाददाता। रांची

सीएम हेमंत सोरेन से ईडी की पूछताछ के दौरान सीआरपीएफ की तैनाती और उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने का मामला तूल पकड़ चुका है. इस मामले में गुरुवार को राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन एवं झामुमो में बयानबाजी हुई है. राज्यपाल ने आर्यभट्ट सभागार में कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत में बड़ा बयान दे डाला.

उन्होंने कहा कि सीआरपीएफ के खिलाफ केस दर्ज करवाने का एक्शन गलत है. उन्होंने कहा कि सीएम हाउस के पास झामुमो कार्यकर्ता हंगामा क्यों कर रहे थे. वहां सीआरपीएफ को आने

की जरूरत की ही क्यों पड़ी.

सीआरपीएफ आईजी समेत कई जवानों पर हुई है एफआईआर : मालूम हो कि सीआरपीएफ के आईजी, कमांडेंट व 500 जवानों पर रांची के गोंदा थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी गयी थी. सदर सीओ मुंशी राम की शिकायत पर यह प्राथमिकी दर्ज की

- सीएम हाउस के पास जेएमएम के कार्यकर्ता हंगामा क्यों कर रहे थे और वहां सीआरपीएफ को आने की जरूरत की ही क्यों पड़ी

गयी है. 20 जनवरी को ईडी की सीएम आवास में पूछताछ के दौरान सीआरपीएफ के जवानों की मौजूदगी मामले में केस दर्ज कराया गया है. इसमें कहा गया है कि सीआरपीएफ के जवान सीएम के कांके रोड स्थित आवास की ओर जाने का प्रयास करने लगे थे. मशक्कत के बाद स्थिति संभाली गयी. बता दें कि ईडी ने 20 जनवरी को सीएम हेमंत सोरेन से सात घंटे से अधिक की पूछताछ की थी.

केंद्रीय बलों की मांग कब होती है ये राज्यपाल को पता होगा : सुप्रियो

विशेष संवाददाता। रांची

झामुमो ने राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन के बयान पर कड़ी आपत्ति दर्ज करायी है. पार्टी महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि राज्यपाल ने 20 जनवरी को राज्य सरकार की तरफ से सीआरपीएफ पर केस दर्ज करने की कार्रवाई को गलत बताया, इसे सरकार की गलती कहा है. उन्होंने झामुमो के विषय में भी अपनी टिप्पणी की.

सुप्रियो ने राज्यपाल को यह याद दिलाते हुए कहा कि 20 जनवरी को ईडी के द्वारा जब सीएम का बयान दर्ज करने के क्रम में राज्य सरकार द्वारा प्रदत्त सुरक्षा कवच में ईडी के

अधिकारी सीएम आवास 1 बजे बजे पहुंचे. उनके द्वारा बयान दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू की गई तत्पश्चात अचानक दोपहर 3 बजे 8 बसों में सीआरपीएफ के 500 सशस्त्र जवान, एक कमांडेंट व आईजी के नेतृत्व में सीएम आवास की ओर आए तथा अपने कब्जे में लेने की कोशिश की.

जिला प्रशासन ने मांग नहीं की तो कैसे आ गयी सीआरपीएफ

भट्टाचार्य ने कहा कि कार्यपालिका में यह स्पष्ट है कि किसी भी राज्य में प्राकृतिक आपदाएं आपातकालीन परिस्थितियों में कानून व्यवस्था के बिगड़ने पर पर स्थानीय जिला प्रशासन भारत सरकार सरकार से अर्द्धसैनिक बलों की मांग करता है. क्या राज्यपाल महोदय को यह नहीं पता कि रांची जिला दंडाधिकारी ने ऐसी किसी तरह की मांग न तो भारत के गृह मंत्रालय से की थी न ही अर्द्धसैनिक बलों को बुलाया था.

सीएम ने ईडी के पत्र का भेजा जवाब, कहा

31 तक मेरे पास समय नहीं, आने में असमर्थ

सौरभ सिंह। रांची

ईडी द्वारा भेजे गये पत्र का सीएम हेमंत सोरेन ने गुरुवार को जवाब दिया है. सीएम हेमंत ने ईडी को भेजे पत्र में कहा हैं कि 31 जनवरी तक उनके पास समय नहीं है. साथ ही पत्र में आगे कहा गया है कि समय न होने के कारण ईडी दफ्तर नहीं आ पाएंगे. सीएमओ का कर्मी पत्र लेकर ईडी ऑफिस पहुंचा. और उसने ईडी के अधिकारियों को पत्र रिसीव करा दिया है.

बता दें कि जमीन घोटाला मामले में ईडी ने सीएम हेमंत को फिर से 22 जनवरी को समन भेज कर 27 से 31 जनवरी के बीच उपस्थित होने को कहा है. गौरतलब है कि बीते 20 जनवरी को ईडी ने मुख्यमंत्री से उनके आवास पर जाकर सात घंटे तक पूछताछ की थी. ईडी अधिकारियों ने सीएम आवास में अलग कमरे में उनसे पूछताछ की थी.

सीएमओ का कर्मचारी पत्र लेकर पहुंचा ईडी के जोनल ऑफिस.

इस दौरान राजधानी सहित दिल्ली से आयी ईडी की टीम पूछताछ का हिस्सा रही थी. ईडी के अधिकारी कई दस्तावेज और फाइल के साथ ही साथ सीएम हेमंत सोरेन से पूछे जाने वाले सवालों की लिस्ट लेकर पंहुचे थे. ईडी ने पहले से ही करीब 300 सवालों की लिस्ट बना रखी थी. सीएम से पूछताछ के बाद ही ईडी ने संकेत दिए थे कि एक बार और पूछताछ की जा सकती है.

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	23.2	12.4
जमशेदपुर	24.6	12.2
डालटनगंज	24.8	6.8

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

छुट्टी की सूचना

गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में दैनिक शुभम संदेश और लगातार.इन का कार्यालय शुक्रवार 26 जनवरी को बंद रहेगा. अतः अखबार का अगला अंक रविवार 28 जनवरी को आएगा. शुभम संदेश के सभी पाठकों, शुभेच्छुओं और विज्ञापनदाताओं को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं. **-संपादक**

एक तीर से साधे कई निशाने

कहीं पे निगाहें कहीं पे निशाना, बिहार को लेकर दिल्ली में राजनीतिक हलचल

ज्ञानवर्द्धन मिश्र। पटना

बिहार की राजनीति नये रंग में दिखा रही है. घटनाक्रम इतनी तेजी से बदल रहे कि अनुमान लगाना मुश्किल है कि आनेवाले दिनों में बिहार की राजनीति किस रंग में दिखेगी. महागठबंधन में उठा तूफान थमता भी नहीं कि किसी सुनामी का अंदेशा होने लगता है. पटना से लेकर दिल्ली तक हलचल तेज हो गयी है.

सियासत में हलचल जननायक कर्पूरी ठाकुर जन्मशताब्दी समारोह में सीएम नीतीश कुमार के राजनीति में परिवारवाद पर किये हमले को लेकर है. अपने संबोधन में नीतीश कुमार ने एक ही तीर से कई निशाने साधे. कुछ लोग इसे सीधे तौर यह राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद पर हमले के रूप में देख रहे हैं. नीतीश ने अपने संबोधन में कहा कि जननायक कर्पूरी ठाकुर राजनीति में परिवारवाद के सख्त खिलाफ थे. इससे नीतीश यह कहने में भी कामयाब रहे कि लालू के परिवारवाद के वे खिलाफ हैं, दूसरी तरफ उन्होंने यह भी संकेत दे दिया कि वे परिवारवाद से अलग रह कर कर्पूरी के पदचिह्नों पर चल रहे हैं. राजनीतिक प्रेक्षकों का मानना है कि यह नीतीश के दवाब की राजनीति है. वह पहले भी ऐसी बातें कर लालू पर दवाब बनाते रहे हैं.

फिर पाला बदलेंगे नीतीश कुमार!

कयासों का बाजार गर्म है कि नीतीश कुमार फिर पाला बदल सकते हैं. इन कयासों पर मुहर लगती तब दिखी जब बुधवार को कैबिनेट की बैठक मात्र 15 मिनट ही चली. नीतीश की यह तल्खी लालू की पुत्री रोहणी द्वारा 'एक्स' पर की गयी तीन पोस्ट को लेकर है. रोहिणी ने इशारों में नीतीश पर तंज कसा था. हालांकि, बाद में रोहणी ने पोस्ट हटा लिया. जदयू के नेता नीतीश के सरकारी आवास पर पहुंचे और काफी देर तक मंत्रणा चली.

तौ मोंहि बरजउ भय बिसराई

बैजनाथ मिश्र

प्रसंगवश

प्रभु श्रीराम अपने बाल रूप में अवधपुरी में विराजमान हो गये हैं. वे लोकनायक हैं, लोकतंत्र के अधिष्ठाता. लोकतंत्र यानी ऐसा तंत्र, जो लोक का हो, लोक के द्वारा हो और लोक के लिए हो. आज 26 जनवरी है. हमारा अपना गणतंत्र दिवस. ऐसे में गणतंत्र या लोकतंत्र पर राम के बहाने एक विमर्श अपेक्षित हो जाता है. क्या लोकतंत्र की अवधारणा 75 वर्षों में व्यावहारिक रूप से फलीभूत हुई ? आम धारणा यह है कि हमारा गण या लोक न केवल तंत्र के अधीन हो गया है, बल्कि तंत्र का संत्रास झेलने को अभिशप्त भी है. हमारा तंत्र लोक से मन भर लेना तो चाहता है, लेकिन छटाक भर देना नहीं चाहता है. हमारा तंत्र हमें सहमति-असहमति की रस्मअदायगी का हक जरूर देता है. लेकिन असहमति का रंग जरा सा भी गाढ़ा होने पर उसका दिमाग झल्ला जाता है और फिर असहमति जतानेवाले को किसी पाले या खाने में डाल कर उसकी प्रताड़ना की सतत प्रक्रिया प्रारंभ हो जाती है. यदि इस स्थिति को रामराज्य की कसौटी पर कसें तो हमारा गणतंत्र खोखला नजर आता है. तुलसीदास ने मानस के उत्तरकांड में रामराज्य की विषेषताएं बतायी हैं.

-शेष पेज 10 पर

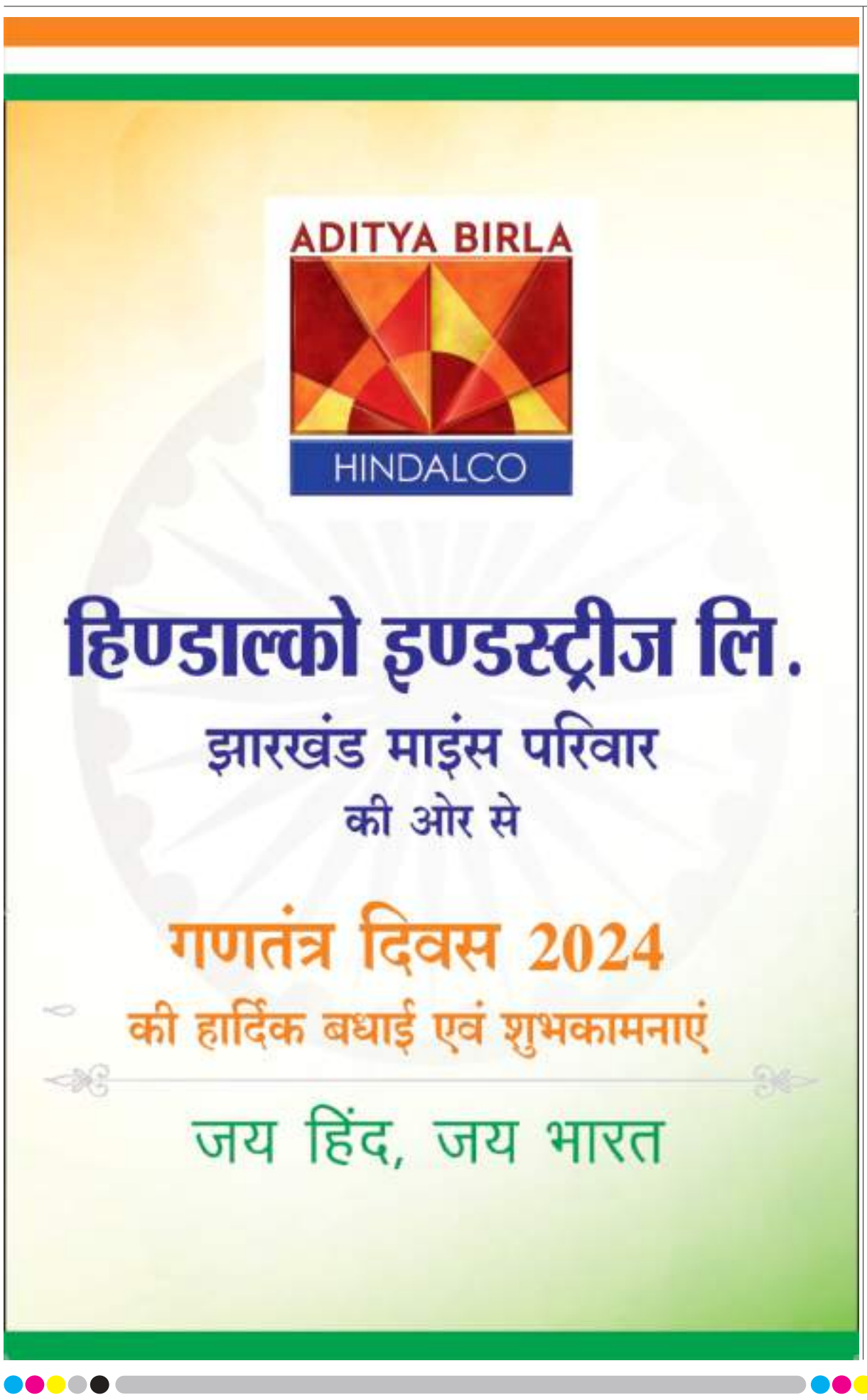

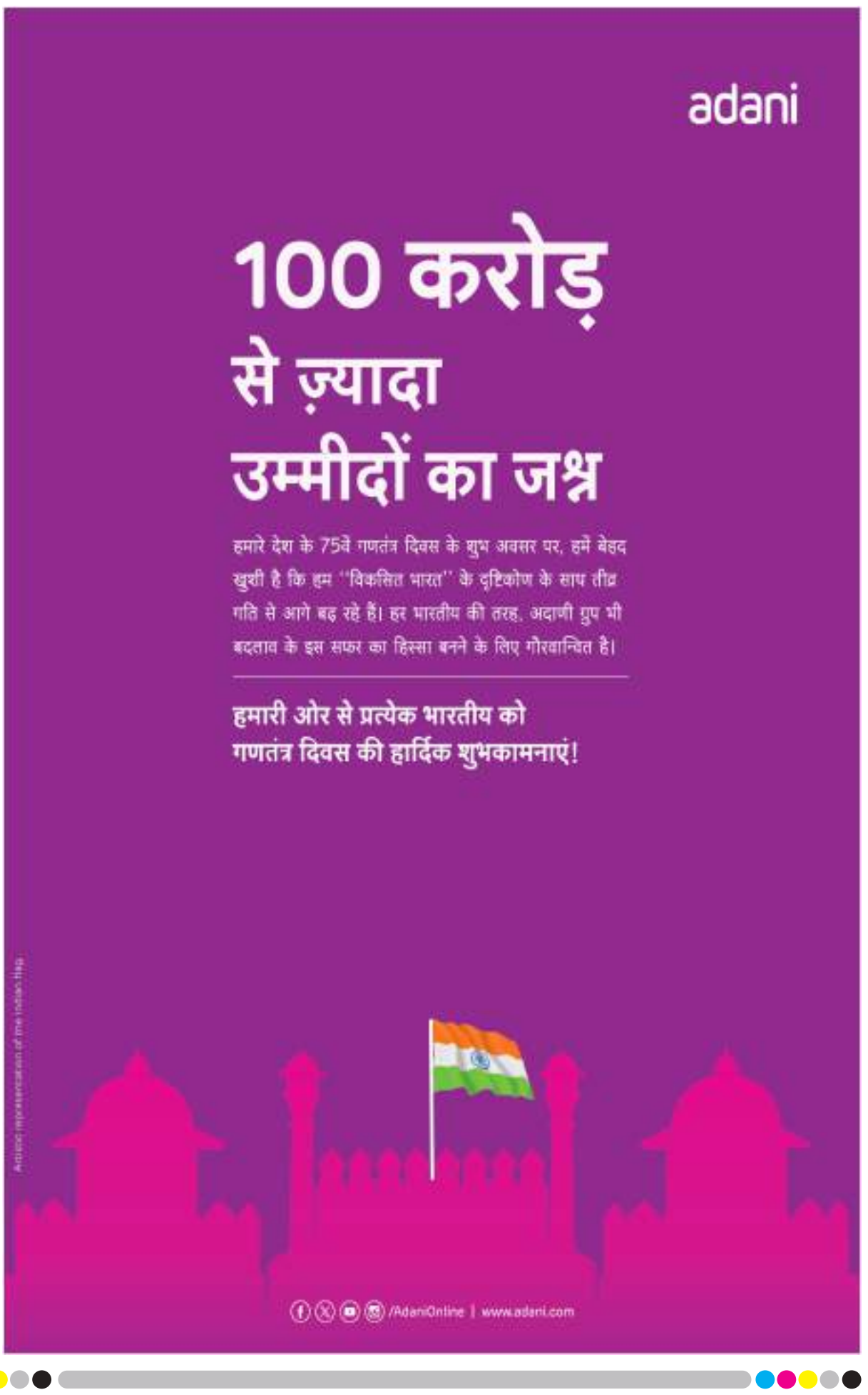

सीएम को जतरा महोत्सव में शामिल होने का निमंत्रण

रांची। राष्ट्रीय जतरा समिति के सदस्यों ने मुख्यमंत्री के आवासीय कार्यालय में सीएम हेमंत सोरेन से मुलाकात की. समिति ने मुख्यमंत्री को 31 जनवरी और 1 फरवरी को रांची के मोरहाबादी मैदान में आयोजित होने वाले दो दिवसीय जतरा महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया. उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि इस महोत्सव में झारखंड के अलावा अन्य पड़ोसी राज्यों के जनजातीय समुदायों के कलाकारों द्वारा पारंपरिक सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए जाएंगे.

गैंगस्टर विकास तिवारी के जेल ट्रांसफर का मामला

हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की जाएगी याचिका

सौरभ सिंह। रांची

हजारीबाग जेल में बंद गैंगस्टर विकास तिवारी जेल ट्रांसफर मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल होना है. इसे लेकर सीआईडी डीजी की ओर से गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव को पत्र लिख कर याचिका दाखिल करने के कुल सात बिंदुओं पर जानकारी दे गई है. साथ ही अनुरोध किया गया है कि इसपर जल्द निर्णय लें. गौरतलब है कि विकास तिवारी ने झारखंड सरकार व अन्य को वादी बनाते हुए हाईकोर्ट में जेल आईजी के जेल स्थानांतरण के आदेश को चुनौती दी थी. जेल आईजी ने विकास तिवारी का स्थानांतरण प्रशासनिक दृष्टिकोण से दुमका जेल करने का आदेश 17 मई 2026 को जारी किया था. लेकिन जेल अधीक्षक कुमार चंद्रशेखर के द्वारा जारी कस्टडी सर्टिफिकेट के आधार पर जेल ट्रांसफर के आदेश को रद्द कर दिया गया था. इस संबंध में कोर्ट ने 21 अगस्त 2023 को आदेश जारी किया था.

इन सात बिंदुओं पर गृह विभाग को दी है जानकारी

- सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर नहीं की जाती है, तो भविष्य में शातिर अपराधियों के जेल ट्रांसफर में व्यवधान करेगा. ऐसी संभावना है कि इस आदेश का उपयोग भविष्य में जेल में बंद अपराधी अपने हित में कर सकता है. जिस वजह से जेल के प्रशासनिक प्रबंध को दुरुस्त रखने और झारखंड राज्य में घटने वाली गंभीर और संवेदनशील घटनाओं के नियंत्रण में परेशानी का सामना करना पड़ सकता हैं.
- विकास तिवारी द्वारा हजारीबाग जेल में रहकर हजारीबाग कोर्ट परिसर में अपने विरोधी गैंगस्टर सुशील श्रीवास्तव की हत्या कराया था. जिसमें उसे उम्रकैद की सजा सुनाई गई है.
- आपसी गैंगवार के कारण निकट भविष्य में अपराधी विकास तिवारी को हजारीबाग जेल में विरोधी गुट से जान का खतरा है. इसलिए हजारीबाग जेल से इसका ट्रांसफर अति आवश्यक है.
- हजारीबाग जेल में रहकर इसके द्वारा रंगदारी मांगी जाती रही है जिस संबंध में कई एफआईआर दर्ज हुई हैं.
- जांच के क्रम में पाया गया है कि विकास तिवारी के द्वारा आईजी जेल के गोपनीय पत्र का संदर्भ प्राप्त कर उसे हाईकोर्ट में प्रयोग किया गया है, साथ-साथ इसके द्वारा भय या लालच के बल पर हजारीबाग जेल अधीक्षक से प्रमाण पत्र प्राप्त कर हाईकोर्ट में अपने हित में लाभ लिया गया.
- विकास तिवारी और उनके सहयोगियों और उनके विरोधी गुट के गैंगस्टर के बीच गैंगवार की संभावना और जेल में किसी अप्रिय घटना होने की संभावना को देखते हुए इसके ट्रांसफर के लिए हजारीबाग जेल से समय-समय पर गृह विभाग को पत्र भेजा गया है.
- धनबाद जेल में गैंगवार के चलते विरोधी गुट के द्वारा गैंगस्टर अमन सिंह की हत्या कर दी गई. उस मामले में हाईकोर्ट द्वारा स्वतंत्रता संज्ञान लेते हुए विभिन्न बिंदुओं पर दिशा-निर्देश जारी किया गया है.

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, गुमला

26 जनवरी 2024 गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर गुमला जिला के समस्त नागरिकों को गुमला पुलिस की ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई।

आत्मसमर्पण भीति

7. सरकार द्वारा चिन्हित किये गये उग्रवादियों पर घोषित ईनाम की वासि जारमसमर्पण करने पर उन्हें ही दी जायेगी।
10. आत्मसमर्पण करने वाले व्यक्तियों को घर बनाने के लिए 04 डिसमिल जमीन उपक जायेगी।
11. प्रत्यर्पण करने वाले उग्रवादी की योग्यता एवं अभिरूचि के अनुसार पुनर्वास समिति द्वारा कौशल विकास विभाग, झारखण्ड द्वारा लिभिन्न संकायों में व्यावसायिक प्रशिक्षण की व्यवस्था की जायेगी।
12. राज्य अन्तर्गत सरकारी चिकित्सा संस्थानों में उग्रवादी एवं उसके परिवार को नि :शुल्क चिकित्सा की व्यवस्था की जायेगी।
13. आत्मसमर्पित उग्रवादी को उसके अनुरोध पर खुला जेल-सह-पुनर्वास केन्द्र में स्थानानारण की नियम सम्मत कार्रवाई की जायेगी।
14. आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के अच्छे आचरण के आधार पर उनके उपर बल रहे मुकदमों की पैरवी हेतु वकीलों पर उनके द्वारा किये जाने वाले व्यय की प्रतिपूर्ति / व्यय का भुगतान किया जायेगा।
15. ऑपरेशन नई दिशा के अंतर्गत देय सुविधाओं का लाभ उठाकर अपने एवं अपने परिवार का मदिश्य उज्जवल करें।
16. आत्मसमर्पण हेतु निम्नांकित नम्बरों पर सम्पर्क करें :- (1. 9431706376 2. 9431706182 3. 9471182118 4. 9431706202 इसके अतिरिक्त आत्मसमर्पण हेतु थाना प्रभारी / पुलिस कार्यालय से सम्पर्क किया जा सकता है।)

सामाजिक जागरूकता

1 सड़क सुरक्षा के लिए प्रतिज्ञा लें। यातायात नियमों का पालन करें एवं स्वयं तथा परिवार को सुरक्षित रखें।
2 डायन कुप्रथा समाज के लिए अभिशाप है। ओझा-मती, डायन प्रथा अंधविश्वास है। इससे दूरी बनाये रखें।
3 किसी भी प्रकार के अनजाने लिंक को टच ना करें। मैसेज भेजकर सोशल मीडिया पर फेक वेबसाईट बनाकर/पॉलिसी रिन्यूल के नाम पर / ऑनलाईन घोखापड़ी/केबिट कार्ड/साईबर पोनोग्राफी इत्यादि से ठगी। यदि आपके मोबाईल पर इस प्रकार की सूचना अथवा खाता बंद होने की सूचना, बिजली बिल भुगतान करने की सूचना से संबंधित कोई भी कॉल आता हो,और ओ0टी0पी0 की मांग किया जाता हो, तो किसी भी स्थिति में ओ0टी0पी0 शेयर ना करे, एवं इस प्रकार की सूचना का सत्यापन स्थानीय बैंक/बिजली ऑफिस / संबंधित कार्यालय से करें। किसी भी प्रकार के वित्तीय साईबर अपराध घटित होने की दिशा में इसकी सूचना तत्काल ई-सुरक्षा चक साइबर हेल्पलाईन-1930 पर दर्ज करायें।

निवेदक पुलिस अधीक्षक, गुमला
झापांक 75/ सा0शा0.

गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं
अशोक त्रिपाठी
कार सेवक जवाहर नगर गुमला

गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं
अभिषेक बॉरवेल्स घाटो बगीचा गुमला
संपर्क नंबर : 9431182892, 9835535603, 9308257174

गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं
निवेदक
कमल सिंह
सेलिवेरेशन इन
बाइपास रोड अरमई गुमला

गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं
निवेदक
राकेश लाल

गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं
सबका साथ सबका विकास सबका प्रयास
सुदर्शन
सांसद, लोहरदगा संसदीय क्षेत्र
भारतीय जनता पार्टी गुमला

गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं
जय जवान जय किसान जय विज्ञान
निवेदक
विशेश्वर मुंडा
भाजपा किसान मोर्चा, सह प्रभारी
दक्षिण छोटानागपुर प्रमंडल

गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं
युवा शक्ति राष्ट्र शक्ति
मंगल सिंह भोगता
कार्यक्रम समन्वयक
नेहरु युवा केन्द्र गुमला

लालू यादव को फिर सीबीआई कोर्ट में जमा करना पड़ा पासपोर्ट

विनीत आभा उपाध्याय। रांची

चारा घोटाला के अलग-अलग मामलों में सजायाफ्ता राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने सीबीआई कोर्ट में अपना पासपोर्ट जमा कर दिया है. लालू यादव के अधिवक्ता अनंत कुमार विज ने सीबीआई कोर्ट के स्पेशल जज विशाल श्रीवास्तव की कोर्ट में लालू यादव का पासपोर्ट जमा किया. दरअसल चारा घोटाला में दोषी करार दिये जाने के बाद लालू प्रसाद यादव का पासपोर्ट सीबीआई की विशेष अदालत ने जमा करा लिया था. लालू प्रसाद यादव की ओर से पासपोर्ट की अवधि समाप्त होने का हवाला देते हुए रिन्यूएल करने के लिए पासपोर्ट रिलीज करने की मांग की गयी थी. पिछले वर्ष जून महीने में लालू प्रसाद यादव की याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने पासपोर्ट रिलीज करने का आदेश दे दिया था. कोर्ट ने शर्त रखी थी कि पासपोर्ट रिन्यू होने के बाद वह वापस अपना पासपोर्ट सीबीआई कोर्ट को सौंप देंगे. इसलिए लालू यादव ने पासपोर्ट रिन्यू होने के बाद उसे सीबीआई कोर्ट में जमा कर दिया.

आईपीएस एवी होमकर समेत 36 पुलिस अफसरों को राष्ट्रपति पदक

संवाददाता। रांची

गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू झारखंड पुलिस के 36 अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित करेंगी. इन सभी को विभिन्न श्रेणियों में पदक से सम्मानित किया जाएगा. इनमें झारखंड पुलिस को 23 वीरता पदक, विशिष्ट सेवा के लिए एक राष्ट्रपति पदक और सराहनीय सेवा के लिए 12 पुलिस पदक की घोषणा की गयी है.

इन्हें मिलेगा पुलिस वीरता पदक

आइपीएस ऋषभ झा, एएसपी बृजेंद्र कुमार मिश्रा, एएसपी अनुराग राज, डीएसपी दीपक कुमार, डीएसपी ओम प्रकाश तिवारी, इंस्पेक्टर दिग्विजय सिंह, एसआई रौशन सिंह, आरक्षी अनूप लकड़ा, इंस्पेक्टर राजीव कुमार, आरक्षी कृष्णा उरांव, आरक्षी विनय टेटे, एसआई विक्रांत कुमार, हवलदार फबीअनुस तिर्की, हवलदार नारायण मांझी, हवलदार अमित कुमार, आरक्षी अनिल उरांव, आरक्षी बाबूराम बस्की, एसआई सदानंद सिंह, आरक्षी याकूब सुरीन, आरक्षी रंजीत कुमार, आरक्षी असगर अली, आरक्षी सेख सिकंदर. इंस्पेक्टर अमीर तांती को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक मिला.

पुलिस पदक का सम्मान: आईपीएस एवी होमकर, डीएसपी परवेज आलम, हवलदार संतोष कुमार, हवलदार अनिल दास, हवलदार जीवन ज्योतिष तिर्की, हवलदार राम बहादुर, एएसआई तरामनी टेटे, हवलदार सिल्वेस्टर केरकेट्टा, हवलदार चंद्रकांत महतो, एएसआई भीम लाल महतो, एएसआई एतवा उरांव, आरक्षी कविता विवेक.

F9 होटल्स एंड इंडिया ट्रेवल में आपका स्वागत और अभिनंदन!
आपके यात्रा को सुखद और सुविधाओं के आकांक्षा के लिए अयोध्या धाम श्रीराम नगरी, दिल्ली, पहाड़गंज नोएडा, गुड़गांव, देहरादून मसूरी, मुक्तेश्वर, हरिद्वार, ऋषिकेश, केदारनाथ, बद्रीनाथ, नैनीताल, अमृतसर, जम्मू, कतरा, वैष्णो देवी, जयपुर, उदयपुर, पुष्कर, अजमेर, आगरा, मथुरा, वृंदावन समेत पूरे भारत में होटल और रूम में ठहरने की उचित सुविधा और बस, ट्रेन और हवाई जहाज की टिकट की सुविधा निरंतर उपलब्ध है।
- FLIGHT TICKETS
- CRUISE BOOKING
- HOTEL BOOKING
- TRAIN TICKET
- TAXI SERVICE
- CURRENCY EXCHANGE
- HOLIDAY PACKAGES
- GROUP BOOKINGS
- E VISA SERVICE
- INTERNATIONAL TOUR PACKAGES

BOOKING
Call 8527271652-ved

CLASSIFIED

AMRITA HOSPITAL & RESEARCH CENTRE
7870865821
Dr. Sumedha Gargy
MBBS, MD (Obs 'n' Gynae)
ECFMG (Certified USA)
MRCOG (London) & ESGO
Certified in Gynaecological Oncology (Europe)
Fellowship in Gynae Oncology TATA Medical Centre, Kolkata
Ex. Sr. Resident, Dept. of Surgical Oncology, RIMS, Ranchi
Shyamli, Kali Mandir Road
Burdwan Compound, Ranchi- 834001 (Jharkhand)
Mob : 8271505819, E-mail : gargysumedha@gmail.com

श्री गणेश नर्सिंग होम
लोअर चुटिया, रांची, फोन : 9835588850
सुविधाएं : सभी तरह के ऑपरेशन, नॉर्मल डिलीवरी, अपेंडिक्स, हर्निया, हाइड्रोसील बवासीर एवं हड्डी की पोट समेत सम्पूर्ण जांच की व्यवस्था उचित दर पर उपलब्ध
Dr. Randhir Kumar
M.B.B.S., D. Ortho
Ms (General Surgery), FIAGES
Ex-Resident (Neurosurgery) RIMS
24 Hours Emergency Pathology Service
(Home Collection also available here)
Vaccination Facility Child
इशानी मेडिकल हॉल
यहां सभी तरह की दवाएं उचित मूल्य पर दी जाती है।

Estd. : 2014 Under the Management of Shanti Seva Trust
R.C. Mission Residential School
(A Co-educational, English Medium, CBSE Board School)
Baba Path, Hurhuru, Hazaribagh | M-9162690238, 9113769641
Admission Open
छात्रावास में सुविधाएं :
- लाइब्रेरी की सुविधा
- सुबह-शाम ट्यूशन
- सीसी टीवी कैमरा
- 24 घंटे सिक्योरिटी
- 24 घंटे बिजली-पानी
- कम्प्यूटर लैब
- मेन्यू अनुसार भोजन
Minku Kumar
Director
School Building

SHARDA SCHOOL
Run by:S. E. T., Reg No.:4/223,SI No. 4729, U.Dise -20050115504
Email:info@shardaschoolkoderma.com,
Website:www.shardaschoolkoderma.com
Near Durga Mandap
Maduatand
Jhumari Telaiya
PIN- 825409
(Jharkhand)
Mob: 8210034302

INDU BHUSHAN MEMORIAL SCHOOL
Class:- Nursery to XIIth
Co-Education, English Medium
Our Features
- Reasonable Fee Structure
- Qualified and Trained Teachers
- Innovative Teaching
- Appropriate Student- Teacher Ratio
- No Heavy Bags
- Pre-Primary Play Area
- Attentin Towards Every Child
- Parenting Classes (For Parents)
- CCTV Monitoring
- Transport Facility
Admission is going on.
Contact : 9430370823, 9955449958
Kawatu, Ichak, Hazaribag (Jharkhand)

लोकनायक जेपी विद्या मंदिर
सीबीएसई मान्यता प्राप्त नर्सरी टू नाइंथ
नामांकन जारी
बस की सुविधा खेल का मैदान
सीसीटीवी कैमरा एवं योग शिक्षक
प्रचार्या सुनीता देवी
नामांकन के लिए संपर्क करें पता, नंगवा टोल प्लाजा हजारीबाग

श्री साईं नर्सिंग होम
24 घंटा सेवा उपलब्ध
मरीजों की सुलभता हेतु सारी सुविधा उपलब्ध
मिथिलेश कुमार शर्मा
संचालक
श्री साईं नर्सिंग होम, हजारीबाग, संपर्क करें 9931579949,8789744618

24 घंटा सेवा उपलब्ध... अनुभवी डॉक्टर के साथ...
जीवन अनमोल हॉस्पिटल
राजा बांग्ला ओकनी रोड हजारीबाग
निवेदक
सुबोध कुमार

प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना सहायता केंद्र
24 घंटा सेवा उपलब्ध
फ्री इलाज एवं ऑपरेशन के लिए संपर्क करें
राहुल ठाकुर
संचालक
मां अंबे नर्सिंग होम
कालीबाड़ी रोड, बैंक ऑफ बड़ौदा, हजारीबाग फोन : 8709644624

मणिपाल मोन्टेसरी हाई स्कूल
नामांकन जारी
प्ले ग्रुप से दसवीं कक्षा तक
सीबीएसइ पाठ्यक्रम
गैस गोदाम रोड, मंडईकला, हजारीबाग, संपर्क : 9693535747

संत रोबोट बालक मध्य विद्यालय हजारीबाग
नामांकन जारी
रेमंड सोरेन
प्रधानाध्यापक
होली क्रॉस रोड कैथोलिक आश्रम, सम्पर्क : 9798141537

DR. RADHAKRISHNAN SCHOOL OF LEARNING
SENIOR SECONDARY SCHOOL (10+2)
Affiliated to C.B.S.E. New Delhi (3430409)
नामांकन जारी
खेल का मैदान, योग शिक्षक, बस की सुविधा
लाइब्रेरी एवं प्रैक्टिकल के लिए उत्तम प्रबंध
NH-33 बोंगा इचाक, हजारीबाग
सम्पर्क करें : 9471041355

EDUCATION TO-LET BUSINESS REAL ESTATE RECRUITMENT MATRIMONY & Many More
Book your CLASSIFIED ADS IN
हिन्दी दैनिक शुभम संदेश एक राज्य-एक अखबार
Contact : 9835511272, 9905709361, 9546277001, 7004715743

गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in

शुक्रवार, 26 जनवरी 2024 ● माघ कृष्ण पक्ष प्रतिपदा, संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 279

आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

टाटा ने किया त्रिपक्षीय समझौता

3 साल में टाटा के सभी कर्मी हो जाएंगे नियमित

संवाददाता। जमशेदपुर

टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन, टाटा मोटर्स प्रबंधन एवं श्रम विभाग के बीच गुरुवार को एक समझौता हुआ है. इस समझौते में प्रबंधन की ओर से वीपी विशाल बादशाह, प्लांट हेड रवींद्र कुलकर्णी, एचआर हेड मोहन गंट ई आर हेड सौमिक राय, लीगल हेड श्रीवर्धन, झारखंड सरकार की ओर से श्रमायुक्त एवं उपश्रमायुक्त, यूनियन की ओर से अध्यक्ष गुरमीत सिंह, महामंत्री आरके सिंह, सलाहकार प्रवीण सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष अनिल शर्मा, संयुक्त महामंत्री अजय भगत शामिल हुए. समझौता हुआ है कि हर वर्ष 900 अस्थाई कर्मियों को स्थाई किया जाएगा. हर तिमाही में 225 स्थाई किए जाएंगे. 3 साल में सभी अस्थाई को स्थाई कर दिया जाएगा.

समझौते के मुताबिक स्थाई होने वाले कर्मी का स्थानांतरण नहीं होगा. यूनियन की सहमति के बिना वार्ड रजिस्ट्रेशन पूर्व की भांति चालू रहेगा. नए नियोजन के लिए एम्प्लाई वार्ड को अप्रेंटिस के माध्यम से प्रवेश मिलेगा. अप्रेंटिस के उपरांत कम्पनी के खर्चे पर डिप्लोमा कराया जाएगा.

खास बातें

- हर साल 900 कर्मियों की नौकरी होगी पक्की
- स्थाई होने वाले कर्मी का तबादला भी नहीं होगा

डिप्लोमा के बाद नियोजन किया जाएगा. यदि कर्मचारी का पुत्र या पुत्री आगे पढ़ना चाहते हों, तो बी टेक और एम टेक तक की पढ़ाई कंपनी की ओर से की कराई जाएगी. सलाहकार प्रवीण सिंह ने कहा कि टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन लगातार यह प्रयास में रहती है कि मजदूर हित के कार्यों को किया जाए. आज 2700 मजदूरों का स्थायीकरण किया गया है. यह ऐतिहासिक है.

अरूप चटर्जी के नेतृत्व में डीवीसी में प्रदर्शन कर रहे दुकानदारों पर लाठीचार्ज

एक दर्जन से अधिक घायल

संवाददाता। मैथन

मैथन डैम के दुकानदारों की समस्याओं को लेकर पूर्व विधायक अरूप चटर्जी के नेतृत्व में गुरुवार को सुबह डीवीसी प्रशासनिक भवन के समक्ष घेराव व प्रदर्शन किया गया. इस दौरान प्रदर्शनकारियों एवं सीआईएसएफ जवानों के बीच किसी बात को लेकर नोकझोंक हो गयी. इस दौरान पत्थरबाजी हुई और इसके बाद सीआईएसएफ जवानों ने अचानक लाठीचार्ज कर दिया. लाठीचार्ज होने से भगदड़ मच गई, अफरातफरी का महौल उत्पन्न हो गया. लाठीचार्ज में एक दर्जन से अधिक मासस कार्यकर्ता एवं दुकानदार घायल हो गए. घायलों का इलाज डीवीसी बीपी नियोगी अस्पताल में चल रहा है. इतना ही नहीं लाठीचार्ज के दौरान ड्यूटी जा रहे डीवीसी कर्मी भी चपेट में आ गए. घटना की सूचना मिलते ही मैथन ओपी प्रभारी रजनीश कुमार दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को सामान्य बनाने में जुट गए. खबर पाकर एग्यारकुंड प्रखंड के बीडीओ विनोद कुमार कर्मकार भी मौके पहुंचे. घटना के बाद मासस समर्थक काफी आक्रोशित नजर आए. पूर्व विधायक अरूप चटर्जी ने कहा कि डीवीसी प्रबंधन तानाशाही पर उतर आया है. सीआईएसएफ द्वारा लाठीचार्ज करा कर हमें डराना चाहता है, लेकिन उसे मालूम होना चाहिए कि लाल झंडे वाले लोग डरने वाले नहीं हैं. कहा कि पिछले एक माह से डीवीसी प्रबंधन को दुकानदारों की समस्या का समाधान करने के लिए कहा गया है. लेकिन प्रबंधन ने उनकी बातों को गंभीरता से नहीं लिया और जानबूझ कर प्रदर्शन के दौरान लाठीचार्ज कराया गया है.

अरूप चटर्जी व आंदोलनकारियों के साथ बैठक करते डीवीसी के डीजीएम एवं सीआईएसएफ के डीआईजी.

31 मार्च तक दुकानदारों को न हटाने पर बनी सहमति

इस बीच, लाठीचार्ज के बाद डीवीसी प्रबंधन ने डीजीएम अनूप पुरकायस्थ के नेतृत्व में पूर्व विधायक अरूप चटर्जी एवं आंदोलनकारियों के साथ बैठक की. बैठक में सीआईएसएफ के डीआईजी विनय काजला भी शामिल थे. डीवीसी प्रबंधन ने लाठीचार्ज पर दुख व्यक्त किया. बैठक में सहमति बनी कि 31 मार्च तक प्रबंधन दुकानदारों को नहीं हटाएगा. इस दौरान प्रबंधन पूर्व विधायक चटर्जी के साथ बैठक कर समस्या का समाधान निकाल लेगा. बैठक के बाद अरूप चटर्जी ने लाठीचार्ज को गलत ठहराया और कहा कि हम दुकानदारों के साथ हैं. इन्हें किसी भी कीमत पर उजड़ने नहीं देंगे. ये सभी दुकानदार स्थानीय हैं. डीवीसी के डीजीएम अनूप पुरकायस्थ ने कहा कि दुकानदारों को उजाड़ा नहीं जा रहा है, बल्कि दूसरे स्थान पर शिफ्टिंग की जानी है. मैथन डैम की सुरक्षा महत्वपूर्ण है और इसी को ध्यान में रखते हुए दुकानों को एक निश्चित स्थान पर शिफ्ट किया जाएगा.

खैनी खाने से मना करने पर बेटे ने पिता को कुल्हाड़ी से मार डाला

संवाददाता। धनबाद

पांडरपाला की घटना : आरोपी बेटा गिरफ्तार, कुल्हाड़ी बरामद

धनबाद के पांडरपाला मोती मैदान इलाके में गुरुवार को दिल दहलाने वाली घटना घटी. एक बेटे ने अपने पिता को सिर्फ इसलिए मौत के घाट उतार दिया कि पिता उसे खैनी खाने से रोकते थे. रोक-टोक पर भड़के बेटे जफर ने पिता मो. मुजफ्फर के सिर पर कुल्हाड़ी से वार कर दिया. जिससे उनकी मौत हो गई. खबर पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर थाने ले गई.

वारदात के बारे में बताया जा रहा है कि पांडरपाला निवासी मो. मुजफ्फर बड़ा बेटा जफर बेरोजगार है. उसका मुहल्ले के युवकों के साथ उठना-बैठना था. पिता को खबर मिली कि वो खैनी खाता है. इस पर पिता बुधवार की रात जफर डांट- फटकार लगाई थी. गुरुवार की सुबह पिता दरवाजे पर बैठे थे, तभी जफर पीछे से आया और कुल्हाड़ी से उनके सिर पर वार कर दिया, जिससे वह अचेत होकर गिर पड़े. इसके बाद जफर चुपचाप वहां से खिसक गया.लेकिन मां ने वारदात को देख लिया था, उसने शोर मचाया. शोर सुन वहां मुहल्ले के लोगों की भीड़ जमा हो गई. थोड़ी देर में जफर भी कुल्हाड़ी छिपा कर लौट आया. खबर पाकर पुलिस मौके पर पहुंची तो बेटा खुद को बेकसूर बताने लगा. कड़ाई से पूछताछ करने पर उसने अपना अपराध कुबूल कर लिया.

नाली में फेंक दी थी कुल्हाड़ी : पिता की हत्या के बाद जफर ने कुल्हाड़ी घर से थोड़ी दूरी पर नाली में फेंक दी. पुलिस के आने के बाद उसने कुल्हाड़ी के बारे में नहीं बताया. कहने लगा कि कुल्हाड़ी बरामद करा देगा तो पुलिस उसे जेल भेज देगी. बाद में उससे कहा गया कि कुल्हाड़ी मिलने पर पुलिस उसे छोड़ देगी. तब उसने कुल्हाड़ी को नाली से बरामद करा दिया.

हत्या का मुकदमा दर्ज : डीएसपी : डीएसपी विधि व्यवस्था अरविंद कुमार बिन्हा ने बताया कि आरोपी बेटे के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया जा रहा है. पुलिस मामले में चार्जशीट दायर कर आरोपी के खिलाफ कोर्ट में कड़ी सजा दिलवाने का काम करेगी.

बच्चे के भरण-पोषण के लिए पिता को देना होगा खर्च

विनीत आभा उपाध्याय। रांची

- हाईकोर्ट ने कहा- पत्नी यदि वर्किंग हो, तब भी बच्चों को पालना पिता की जिम्मेदारी

हाइकोर्ट ने एक मामले में सुनवाई करते हुए कहा कि अपने आदेश में स्पष्ट रूप से कहा कि भले ही पत्नी नौकरी करती हो और पैसा कमाती हो. फिर भी पिता अपने बच्चे के भरण-पोषण के लिए जवाबदेह है. रांची के एक पति-पत्नी का तलाक का मामला फैमिली कोर्ट में चल रहा था, जिसमें कोर्ट ने यह आदेश दिया था कि पति अपने दो बच्चों को प्रति महीने 5-5 हजार गुजारा भत्ता देगा. इस आदेश के खिलाफ पति रघुवर सिंह ने हाईकोर्ट में रिवीजन याचिका दाखिल की. याचिका पर हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस सुभाष चांद की कोर्ट में सुनवाई हुई. इस दौरान पति की ओर से अदालत में यह तर्क दिया गया कि फैमिली कोर्ट ने बच्चों के लिए जो गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया है, जो सही नहीं है. क्योंकि उसकी पत्नी निभा सिंह नौकरी करती है और पैसा कमाती है. वहीं पत्नी की ओर से बहस करते हुए उनके अधिवक्ता ने यह कहा कि जब से उसने अपने पति के खिलाफ दहेज उत्पीड़न की शिकायत दर्ज करायी है, तब से वह बच्चों के भरण-पोषण में लापरवाही कर रहा है.

राज्य में शीतलहरी

रांची। झारखंड में ठंड से अभी राहत मिलती नहीं दिख रही है. पिछले 24 घंटे में राज्य के उत्तरी व दक्षिणी भाग में कहीं-कहीं हल्के से मध्यम दर्जे का कोहरा देखा गया, जबकि उत्तर-पश्चिमी भागों में कहीं-कहीं कोल्ड डे की स्थिति बनी. वहीं राज्य में कहीं-कहीं हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हुई.

राज्यपाल रांची व सीएम दुमका में तिरंगा फहराएंगे

रांची। गणतंत्र दिवस पर राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन शुक्रवार को मोरहाबादी मैदान में राष्ट्रध्वज फहराएंगे. वहीं सीएम हेमंत सोरेन उप राजधानी दुमका में झंडोत्तोलन करेंगे और परेड की सलामी लेंगे. सीएम गुरुवार को ही दुमका पहुंच गये, जहां उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया. वहीं रांची के मोरहाबादी मैदान में होने वाले कार्यक्रम को लेकर सारी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं. झंडोत्तोलन के बाद सेना और अर्धसैनिक बल के जवान परेड करेंगे. सरकार के कई विभागों की ओर से झाकियां भी निकाली जाएंगी.

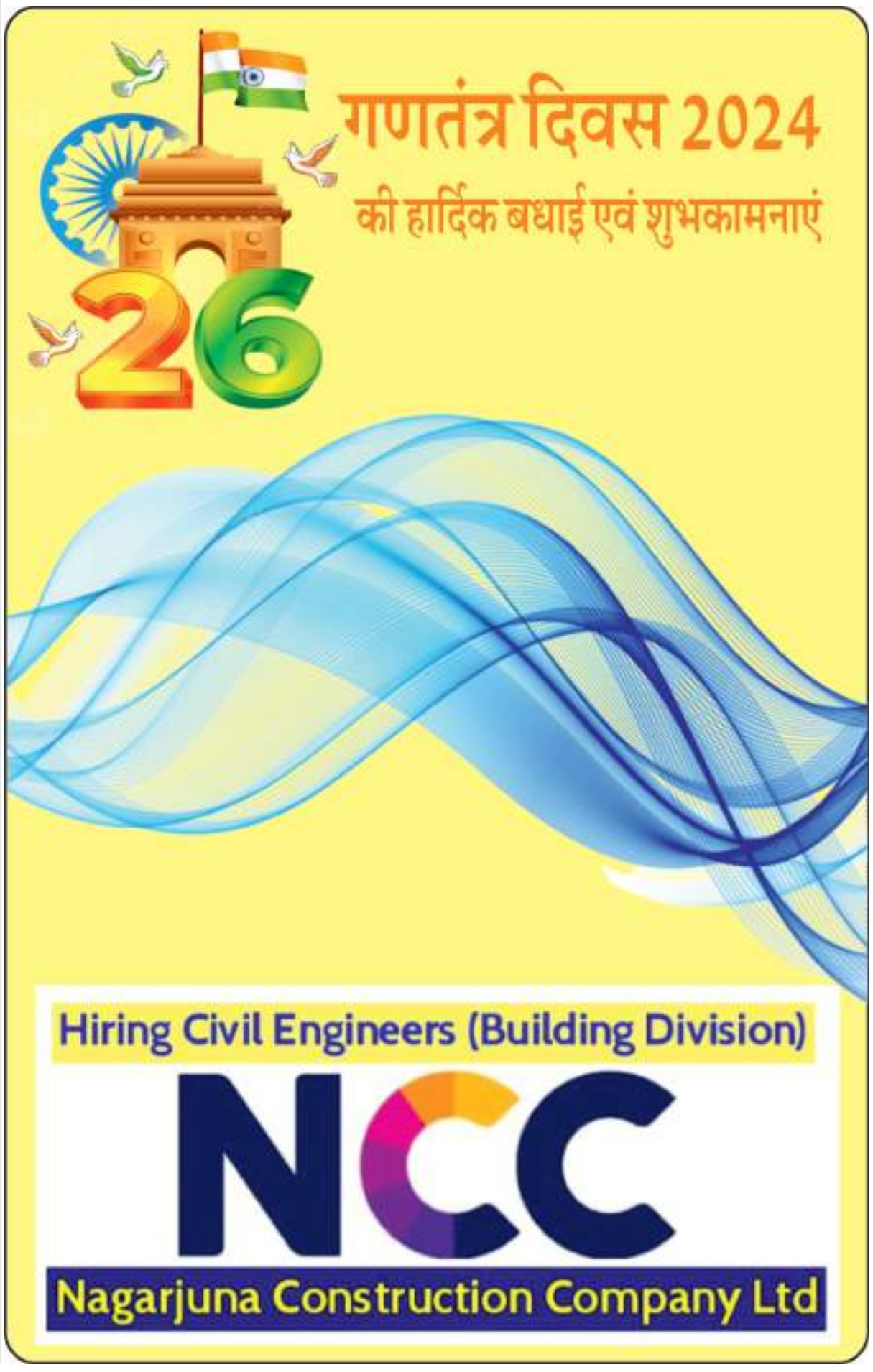

पुलिसकर्मियों ने ली मतदान करने की शपथ

जमशेदपुर। गुरुवार को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर समाहरणायल परिसर में पुलिसकर्मियों को मतदान करने की शपथ दिलाई गई. इस दौरान एसएसपी किशोर कौशल, जिला निर्वाचन पदाधिकारी मनीष कुमार और सिटी एसपी मुकेश कुमार लुणायत समेत कई पुलिस कर्मी मौजूद थे. मौके पर एसएसपी किशोर कौशल ने कहा कि लोकतंत्र में मतदान करने का अधिकार सभी को है. इसलिए सभी पुलिसकर्मी अपने मताधिकार का प्रयोग करें. पुलिसकर्मियों की चुनाव में ड्यूटी लगती है. इसलिए पुलिसकर्मी पोस्टल बैलेट पेपर के जरिए अपना मतदान कर सकते हैं. आने वाले लोकसभा चुनाव में भी पुलिस कर्मी स्वयं के साथ अपने परिवारजनों का वोट भी डलवाएं. दूसरी और जिलेभर के समस्त थानों पर पुलिसकर्मियों ने मतदान करने की शपथ ली. वहीं सीतारामडेरा थाना परिसर में थाना प्रभारी भूषण कुमार ने सभी पुलिसकर्मियों को शपथ दिलवाई.

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
सत्य प्रकाश राय उर्फ बिट्टू
ईचागढ़ विधानसभा प्रभारी कांग्रेस सेवादल, सरायकेला-खरसावां

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
अवधेश कुमार सिंह
कोल्हान प्रभारी
कामगार कांग्रेस

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
उत्तम पात्रो
जिला अध्यक्ष
नेशनल एंटी करप्शन कमेटी

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
श्री अम्बुज कुमार
कार्यकारी जिला अध्यक्ष कांग्रेस पार्टी, सरायकेला-खरसावां

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
प्रसेनजीत घोष
प्रधान सहायक, अपर निदेशक कार्यालय
सुवर्णरेखा परियोजना कार्यालय आदित्यपुर

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
श्री पी के नंदी
अध्यक्ष, नेताजी सुभाषचंद्र
बोस मंच, झारखंड

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
श्री रूपेश कतरियार
अध्यक्ष, इंडस्ट्रियल स्टेबिलिटी एंड
रिफॉर्म्स ऑर्गेनाइजेशन (इसरो)

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
उषा कॉलेज ऑफ फार्मेसी
बी फार्मा- डी फार्मा (एडमिशन जारी)
एडमिन ऑफिस : शेरे पंजाब चौक, मुख्य मार्ग आदित्यपुर -1
जमशेदपुर 13 (झारखंड), फोन नंबर : 9110935831/ 9334635208
निदेशक : ऋतुराज सिंह

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
पूजा पांडेय
डायरेक्टर ब्लू बेल्स प्ले स्कूल
एवं सोशल मीडिया प्रभारी
महिला पतंजलि योग समिति
सरायकेला-खरसावां

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
सूरज भदानी
डायरेक्टर
सिद्धि विनायक होम्स, जमशेदपुर

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
अमरनाथ ठाकुर
डायरेक्टर
बजरंग इंडस्ट्रियल सिक्यूरिटी सर्विसेज झारखंड

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
प्रणव शंकर
प्रांतीय सचिव, झारखंड
अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ (त्रिपाठी गुट)

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
अनुराग जायसवाल
प्रदेश कोषाध्यक्ष
भाजयुमो झारखंड प्रदेश सह युवा उद्यमी

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
मनोज पासवान
जिला अध्यक्ष लोकजनशक्ति पार्टी (चिराग गुट)
सरायकेला-खरसावां सह अध्यक्ष रिडर्नी विकास
स्वावलंबी सहकारिता समिति लिमिटेड आदित्यपुर

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
उषा रानी झा
राष्ट्रपति अवार्डी महिला उद्यमी
डायरेक्टर, टाटानगर इंटरप्राइजेज, आदित्यपुर

गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई
श्री पुरेंद्र नारायण सिंह
पूर्व उपाध्यक्ष, नगर पर्षद आदित्यपुर सह अध्यक्ष आदित्यपुर- गम्हरिया
विकास समिति सह प्रदेश महासचिव राजद झारखंड प्रदेश

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
डॉ रश्मि वर्मा
प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ
मेडिनोवा अस्पताल, आदित्यपुर
नोट : यहां आयुष्मान योजना की सुविधा है,
बच्चों के लिए नर्सरी की व्यवस्था है

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
डॉ अशोक कुमार
संजीवनी हॉस्पिटल आदित्यपुर

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
श्रीमती शारदा देवी
राजद की वरिष्ठ महिला नेत्री (सामाजिक न्याय की प्रहरी)

गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई
श्रीमती
दुर्गेश नंदिनी
बाल कल्याण
पदाधिकारी जमशेदपुर

गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई
गणेश महाली
प्रदेश कोषाध्यक्ष, भाजपा अजजा मोर्चा
सह प्रत्याशी सरायकेला विधानसभा

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
श्री अरविंद सिंह
पूर्व विधायक ईचागढ़ सह संयोजक कोल्हान मजदूर यूनियन, आदित्यपुर

गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई
श्री अभय झा
केंद्रीय अध्यक्ष, भारतीय युवा जनशक्ति मोर्चा पार्टी

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
श्री श्रवण कुमार
महाप्रबंधक, विद्युत प्रक्षेत्र जमशेदपुर

ADMISSION OPEN
Contact Us For Bulk Admission
8789000378,9661801271
NURSING
BSC NURSING / GNM / ANM
PHARMACY
D.PHARM / B.PHARM
PARA MEDICAL
DMLT / DOT / DMRT / DRESSER
GANDHI GROUP OF INSTITUTION
Office :- Bhatia Basti, Near Rit More, Adityapur , Jamshedpur, Jharkhand

की हार्दिक शुभकामनाएं
बबलू सिंह
संयोजक, भाजपा उद्योग प्रकोष्ठ, सरायकेला-खरसावां

अमन कलर
अल्ट्रासाउण्ड सेन्टर
गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
डॉ अनूप श्रीवास्तव
फोन :8102756118, 8407826470
अमन कलर
अल्ट्रासाउंड सेन्टर

सेलकर्मियों को वोटर कार्ड की छायाप्रति जमा करनी होगी

संवाददाता। किरीबुरु

सेल की मेघाहातुबुरु खदान प्रबंधन ने खदान के सभी सेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों को 25 जनवरी को हर हाल में मतदाता पहचान पत्र की छायाप्रति कार्मिक एवं प्रशासन विभाग के पास से जमा कराने का आदेश जारी किया है. ऐसा करने के पीछे का मुख्य उद्देश्य जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त, पश्चिमी सिंहभूम के द्वारा आदेश निर्गत किया गया है. सेलकर्मियों को आगामी दिनों में होने वाला लोक सभा चुनाव कार्य में लगाया जाना है.

इसके लिये जिला प्रशासन ने तैयारियां प्रारम्भ कर दी है. तथा सेलकर्मियों का वोटर कार्ड की छाया प्रति जिला प्रशासन पास भेजा जायेगा. उक्त आदेश मेघाहातुबुरु खदान के महाप्रबंधक (पीएंडए) विकास दयाल द्वारा जारी किया गया है.

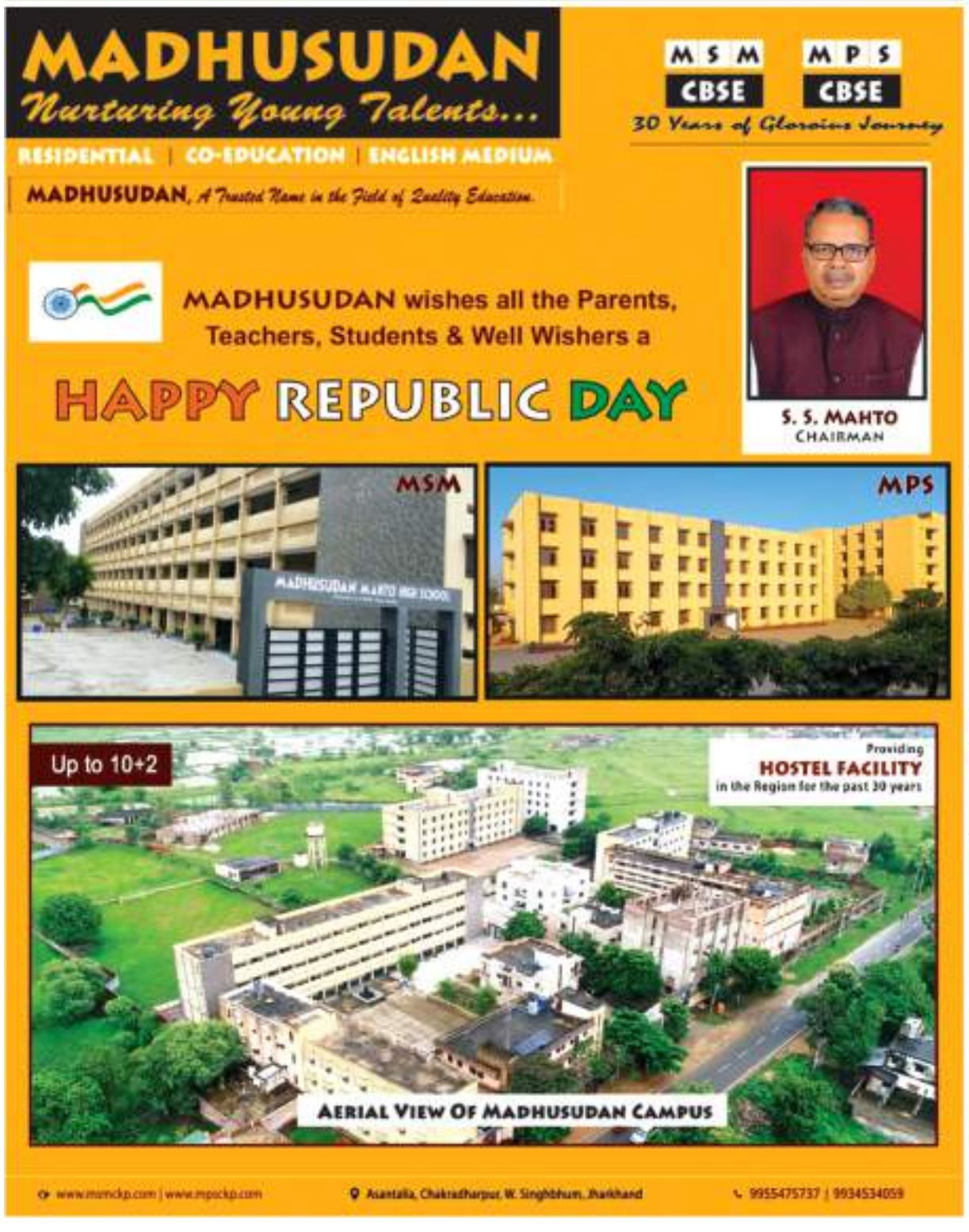

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

ईश्वर चन्द्र विद्यासागर
वरिष्ठ समाजसेवी
जगन्नाथपुर, पश्चिम सिंहभूम, झारखण्ड

गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई

नवाज हुसैन उर्फ बिरसा
झारखण्ड आंदोलनकारी
जगन्नाथपुर, पश्चिम सिंहभूम, झारखण्ड

गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई

लागुड़ा देवगम
सदस्य, मानकी-मुंडा न्याय पंच कोर्ट, चाईबासा
सह मानकी, सारंडा पीढ़, पश्चिम सिंहभूम, झारखण्ड

गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई

उमा शंकर वर्मा
थाना प्रभारी, छोटानागरा, पश्चिम सिंहभूम, झारखण्ड

गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई

सुभाष प्रसाद सिंह
कार्यपालक अभियन्ता
गएनआरईपी, चाईबासा
पश्चिम सिंहभूम, झारखण्ड

गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई

गणेश प्रसाद
प्रदेश अध्यक्ष
झारखण्ड राज्य भ्रष्टाचार उन्मूलन समिति
राँची, झारखण्ड

गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई

फणी भूषण
कार्यपालक अभियन्ता
लघु सिचाई प्रमण्डल, चाईबासा
पश्चिम सिंहभूम, झारखण्ड

गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई

मंगल गिलुवा
(मुखिया)
किरीबुरु पूर्वी पंचायत, सह भाजपा अनुसूचित जाती मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य
सह जगन्नाथपुर विधान सभा प्रभारी

पूनम गिलुवा
(प्रमुख)
नोवामुण्डी
पश्चिम सिंहभूम, झारखण्ड

गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई

आदित्य शंकर मिश्रा
आदित्य इन्फ्रास्ट्रक्चर, जमशेदपुर

गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई

जितेंद्र पासवान
कार्यपालक अभियन्ता
ग्रामीण विकास, विशेष प्रमण्डल, चाईबासा
पश्चिम सिंहभूम, झारखण्ड

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

कानुराम देवगम (मुण्डा)
जोजोगुटू, पश्चिम सिंहभूम, झारखण्ड

गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई

जितेंद्र प्रसाद गुप्ता
मेसर्स जितेंद्र प्रसाद गुप्ता
राँची, झारखण्ड

गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई

राकेश कुमार पाण्डेय
राकेश कंस्ट्रक्शन कंपनी
किरीबुरु, पश्चिम सिंहभूम, झारखण्ड

गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई

बिकेश कुमार पाण्डेय
सारंडा फ्यूएल सेन्टर
किरीबुरु, पश्चिम सिंहभूम, झारखण्ड

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

मुन्नी देवगम
मुखिया
छोटानागरा पंचायत, पश्चिम सिंहभूम, झारखण्ड

गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई

उत्तम कुमार दास
प्रभारी प्रधानाध्यापक
उत्क्रमित उच्च विद्यालय, दोदारी, मनोहरपुर

गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई

सुखराम उर्फ राजू सांडिल
मुखिया, गंगदा पंचायत,
सह कोल्हान प्रभारी, अखिल झारखंड श्रमिक संघ
पश्चिम सिंहभूम, झारखंड

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

दिवाकर उर्फ दीपू सिंह
श्री शिव शक्ति ट्रेडर्स
बडाजामदा, पश्चिम सिंहभूम, झारखण्ड

गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई

संजय कुमार सारडा
युवा उद्योगपति सह प्रसिद्ध समाजसेवी
बडाजामदा, पश्चिम सिंहभूम, झारखण्ड

गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई

अफताब आलम
मदरसा फैजयाम
अफताब नगर, जगन्नाथपुर
पश्चिम सिंहभूम, झारखण्ड

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

संतोष कुमार पंडा
संस्थापक
निःशुल्क शिशु विकास नर्सरी स्कूल एवं रक्त सेवा सदस्य
सह प्रतिष्ठित सामाजिक कार्यकर्ता, सारंडा, पश्चिम सिंहभूम, झारखण्ड

गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई

अरविन्द चौरसिया
अध्यक्ष, माइनिंग एरिया ट्रक ओनर एसोसिएशन
बडाजामदा, पश्चिम सिंहभूम, झारखण्ड

एम हाउस से लाखों का काउंटर टेली प्लेट चोरी

शैलेश सिंह। किरीबुरु

सेल की मेघाहातुबुरु खदान के एम हाऊस लोडिंग साइडिंग क्षेत्र से चोर बीती रात लाखों रुपये के काउंटर टेली प्लेट उपकरण की चोरी कर फरार हो गए. विश्वस्त सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार घटना की जानकारी मिलने के बाद खदान की सुरक्षा में तैनात सीआईएसएफ जवानों द्वारा चोरी गये सामानों की बरामदगी व चोरों का पहचान के लिए सारंडा के गांवों में छापेमारी तेज कर दिया है. यह काउंटर टेली प्लेट उपकरण कन्वेयर बेल्ट को खींच कर रखता है. इसकी कीमत 3-4 लाख रुपये बताई जा रही है. पिछले कुछ वर्षों से सेल की मेघाहातुबुरु, किरीबुरु, गुआ, चिड़िया आदि खदानों के अलावे शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में स्क्रैप या अन्य उपकरणों की चोरी की घटना बढ़ी है. सीआईएसएफ व पुलिस ने स्क्रैप माफियाओं अथवा चोरों के खिलाफ कुछ सफलताएं अवश्य पाई हैं. लेकिन बड़े माफियाओं को अब तक पकड़ नहीं पा रही है.

त्रिदंडी स्वामी गोपालाचार्य जी का बैकुंठ गमन

आदित्यपुर। जगदाचार्य श्रीमद्त्रिदण्डिसेनाचार्य श्रीत्रिदण्डी स्वामीजी महाराज बक्सर के कृपापात्र जगद्गुरु रामानुजाचार्य पदभाक् यति स्वामी गोपालाचार्य जी का गुरुवार को बैकुंठ गमन हो गया. यह समाचार सुनकर आदित्यपुर के उनके अनुयायियों में गहरी मायूसी छा गई है. पिछले साल वे जय प्रकाश उद्यान में महायज्ञ को पधारे थे. उनके भक्त राकेश रमन ने कहा कि यह समाचार सुन हृदय में बहुत ही पीड़ा हुई है, पर ईश्वरीय विधान सभी को स्वीकार करना पड़ता है. यद्यपि श्रीभगवान् का नित्यकैंकर्य प्राप्त करना श्रीवैष्णवों की अभिलाषा होती है ,पर लौकिक दृष्टि से हृदय विदारक तो होता ही है. स्वामी गोपालाचार्य जी विद्वान, चरित्रवान, नैष्ठिक ब्रह्मचर्य आश्रम से तुरीयाश्रमी श्रीवैष्णव यतीन्द्र संन्यासी थे.

केयू में मनाया गया राष्ट्रीय मतदाता दिवस

मुख्य संवाददाता। जमशेदपुर

चाईबासा स्थित कोल्हान विश्वविद्यालय (केयू) के वाणिज्य व मैनेजमेंट विभाग की ओर से गुरुवार को राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया गया. इस अवसर पर वाणिज्य विभागाध्यक्ष डॉ अजेय वर्मा ने छात्रों को मतदान के महत्व और लोकतंत्र में उनकी भागीदारी का महत्व बताया. तत्पश्चात् विभागाध्यक्ष, शिक्षकों समेत सभी छात्र-छात्राओं ने मतदान करने के संबंध में शपथ ली. इस अवसर पर छात्र-छात्राओं के लिए वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. विभाग के शिक्षक भवानी मुदि, किशन कुमार शर्मा तथा खखन महतो (नॉन टीचिंग) ने विचार व्यक्त किए. जमशेदपुर के करनडीह स्थित एलबीएसएम कॉलेज में राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर सभी शिक्षक शिक्षिकाओं छात्र-छात्राओं एवं शिक्षा के शिक्षकेत्तर कर्मचारियों को प्राचार्य डॉ अशोक कुमार झा शपथ दिलायी. कहा कि हम सभी लोगों का दायित्व है कि शत-प्रतिशत मतदान करें.

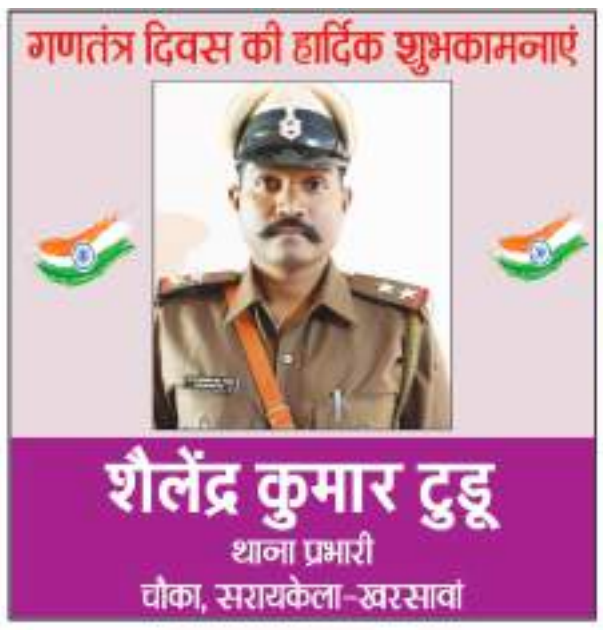

भारतीय गणतंत्र की चेतना

संविधान के बारे में संविधान निर्माता भीमराव अंबेडकर ने नागरिकों को सावधान रहने की हिदायत देते हुए कहा था : "मुझे लगता है यह संविधान व्यावहारिक है. यह शांति और युद्ध दोनों के समय देश को बांधे रखने के लिए लचीला भी है और मजबूत भी. वास्तव में, मैं यह कह सकता हूं कि यदि नए संविधान के अंतर्गत कुछ ग़लत होता है तो उसका कारण यह नहीं होगा कि हमारा संविधान खराब है. हमें यह कहना होगा कि यह मनुष्य की कमजोरी थी." इसके साथ यह भी कहा था, संविधान अच्छा होने के बावजूद सब कुछ इस बात पर निर्भर है कि सरकार में बैठे लोगों के इरादे क्या हैं. जाहिर है कि तमाम महानताओं के बावजूद समय की कुछ ऐसी चुनौतियां हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता. 1950 में भारत के लोगों को समर्पित किए जानेवाले संविधान ने चौहत्तर सालों की यात्रा में अनेक अवरोधों के बावजूद दुनिया के लिए नजीर प्रस्तुत किया है. आजादी के बाद से ही भारत में लोकतंत्र की जीवंत प्रकिया सहज तरीके से चल रही है और संविधान की मूल आत्मा अक्षुण्ण है. अपने आप में यह कोई मामूली उपलब्धि नहीं है.

> भारत एक संप्रभु देश है, जो आजादी के बाद से ही दुनिया के स्तर पर एक बड़ी भूमिका निभाता रहा है. जब दुनिया शीतयुद्ध के दौर में दो खेमों में स्पष्ट तौर पर विभाजित थी, भारत ने बिना किसी के पक्ष में गए विश्वशांति की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया.

दूसरे महायुद्ध के बाद आजाद हुए अनेक देशों में न तो लोकतंत्र बचा और न ही संविधान की स्थिरता. इसका असर नागरिक आजादी और प्रभुत्व पर भी पड़ता है. भारतीय संविधान की प्रस्तावना में न केवल भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान अर्जित किए गए मूल्य अंतरनिहित हैं, बल्कि आजाद भारत के नागरिकों की संप्रभुता की भावना को मजबूती दी है. भारत एक संप्रभु देश है, जो आजादी के बाद से ही दुनिया के स्तर पर एक बड़ी भूमिका निभाता रहा है. जब दुनिया शीतयुद्ध के दौर में दो खेमों में स्पष्ट तौर पर विभाजित थी, भारत ने बिना किसी के पक्ष में गए विश्वशांति की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया. भारत की यही परंपरा वैदेशिक नीति का मूल स्रोत बना हुआ है. लेकिन देश के भीतर कुछ ऐसे सवाल हैं, जिन पर गौर करने की जरूरत है. जिस तरह भारत में आर्थिक असमानता बढ़ी है, वह एक खतरनाक प्रवृत्ति का सूचक है. बढ़ती बेरोजगारी और संवैधानिक संस्थाओं की स्वयत्तता की हिफाजत का सवाल भी प्रमुखता से उठा है. इसके साथ ही भारत में बंधुत्व की दरार को तेजी से पाटने की चुनौती भी बनी हुई है. हमने जिस संपूर्ण संविधान को स्वीकार किया है, उसमें कहा गया है कि हम एक संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य हैं और इन मूल्यों की रक्षा करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है. इसके साथ ही इस समय देश को एक ऐसी वैज्ञानिक चेतना और दृष्टिकोण की जरूरत है, जो विश्व के स्तर पर भारत को आगे ले जाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाए. इन चुनौतियों के बावजूद भारत ने अभूतपूर्व प्रगति की है और नागरिकों को बेहतर जीवन देने की दिशा में भी भूमिका निभायी है. संविधान भारतीय लोकतंत्र की चेतना है और भारतीय भविष्य के चमकते सूर्य का प्रतीक भी. इसके साथ ही लोकतंत्र की रक्षा और नागरिक अधिकारों को अमली जामा पहनाना भी जरूरी है.

सुभाषित

उद्यमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः।
न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः ।।

दुनिया में कोई भी काम सिर्फ सोचने से पूरा नहीं होता बल्कि कठिन परिश्रम से पूरा होता है. कभी भी सोते हुए शेर के मुँह में हिरण खुद नहीं आता. लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए परिश्रम किया जाना चाहिए. केवल कल्पना करते रहने से वांछित लक्ष्य तक नहीं पहुंचा जा सकता.

भारत के जनगण और संवैधानिक महत्व

गणतंत्र का अर्थ होता है कि निर्धारित समय पर चुनाव होते रहें और शासन करने वाले जनता के माध्यम से उन्हीं के बीच से सत्ता में आते रहें. वह काम तो इस देश में बखूबी चल रहा है लेकिन न तो चुनाव आयोग की साख संदेह से परे है और न ही उसकी स्वायत्तता. चुनाव न सिर्फ केंद्र में सत्तारूढ़ दल और नेताओं की सुविधा के लिहाज से होते हैं, बल्कि मतदान के दिन तक आचार संहिता की अवहेलना होती है, लेकिन लोकतंत्र के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती न्यायपालिका और कार्यपालिका के टकराव के रूप में उपस्थित हो रही है.

• देश-काल

अरुण कुमार त्रिपाठी

गणतंत्र सभी देशवासियों को मुबारक हो. इस औपचारिक शुभकामना संदेश के साथ यह सवाल भी लाजिमी है कि हमारा लोकतंत्र कहां गया. भले ही द्रौपदी मुर्मू भारत की राष्ट्रपति बनने वाली पहली आदिवासी महिला हैं और उनसे पूरी दुनिया में एक अलग संदेश गया है, लेकिन उनके इस दावे पर सवाल उठता है कि हमारा लोकतांत्रिक गणराज्य सफल रहा है. हमारी अनेकता कमजोरी नहीं शक्ति साबित हुई है. न ही हम महज यह ढाढ़स बंधाए जाने से खुश हो सकते हैं कि भारत को जी-20 का नेतृत्व मिल गया और आर्थिक मोर्चे पर देश बहुत मजबूत है. अगर भारत एक सफल लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में स्थापित हो गया होता तो न तो यहां नफरत का ऐसा माहौल होता और न ही न्यायपालिका से लेकर चुनाव आयोग, केंद्रीय जांच एजेंसियां और मीडिया तक सारी संस्थाओं की साख संकट में होती. न तो हमारे केंद्रीय विधिमंत्री रोज ब रोज सुप्रीम कोर्ट को संसदीय संप्रभुता के आगे झुकने की नसीहत दे रहे होते और न ही सरकार के लठैत की तरह से काम कर रहे तमाम चैनल न्यायपालिका में जजों की नियुक्ति पर भांति भांति के सवाल उठाते.

गणतंत्र का अर्थ होता है कि निर्धारित समय पर चुनाव होते रहें और शासन करने वाले जनता के माध्यम से उन्हीं के बीच से सत्ता में आते रहें. वह काम तो इस देश में बखूबी चल रहा है लेकिन न तो चुनाव आयोग की साख संदेह से परे है और न ही उसकी स्वायत्तता. चुनाव न सिर्फ केंद्र में सत्तारूढ़ दल और नेताओं की सुविधा के लिहाज से होते हैं, बल्कि मतदान के दिन तक आचार संहिता की अवहेलना होती है, लेकिन लोकतंत्र के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती न्यायपालिका और कार्यपालिका के टकराव के रूप में उपस्थित हो रही है. जिसे न्यायपालिका बनाम विधायिका के टकराव के तौर पर पेश किया जा रहा है. यह बात जनता को समझाई जा रही है कि कानून बनाने का काम विधायिका का है, उसे लागू करने का काम कार्यपालिका का है और उसकी व्याख्या करने का काम न्यायपालिका का है. न्यायपालिका कानून नहीं बना सकती और अपने जजों की नियुक्ति खुद नहीं कर सकती. ऐसा संविधान में नहीं है. इससे संसद की संप्रभुता का उल्लंघन होता है. इसी के तहत देश के विधिमंत्री और राज्यसभा व लोकसभा के सभापति और अध्यक्ष उन तमाम न्यायिक निर्णयों पर सवाल उठाते हैं, जिनके कारण हमारा संविधान अभी तक बचा हुआ है और नागरिकों के मौलिक अधिकारों की किसी हद तक रक्षा कर पा रहा है.

यह बात स्थापित हो चुकी है कि भारत में न तो संसद बड़ी है और न ही न्यायपालिका. दोनों अपने अपने दायरे में स्वतंत्र हैं, लेकिन उन सबसे ऊपर है भारत का संविधान. जिसके भीतर संसद संशोधन कर सकती है, लेकिन वह संविधान के बुनियादी ढांचे को नहीं बदल सकती. केशवानंद भारती के मुकदमे में स्थापित बुनियादी ढांचे के सिद्धांत को संविधान के विरुद्ध बताया जा रहा है और उसी के आधार पर दिए गए एनजेएसी यानी राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग संबंधी फैसले को भी गलत बताया जा रहा है. सत्ता की ओर से लगातार दिए जा रहे बयान साफ तौर पर संकेत करते हैं कि सुप्रीम कोर्ट से न्यायिक समीक्षा का अधिकार छीने जाने की तैयारी है और संविधान में बड़े संशोधन की योजना है.

यह आशंका निराधार नहीं है. क्योंकि ऐसा पहले हो चुका है और आज वैसे ही हालात निर्मित हो रहे हैं. जब जब न्यायपालिका और कार्यपालिका का टकराव एक सीमा से आगे जाता है तो उसकी गाज संविधान पर गिरती है. उस झगड़े में लोकतंत्र कमजोर होता है. 1973 में केशवानंद भारती का फैसला आने के बाद टकराव बढ़ा और उसकी परिणति भारत के मुख्य न्यायाधीश के पद पर कई वरिष्ठ जजों को बाइपास करके एक जूनियर जज को भारत के मुख्य न्यायाधीश के पद पर बिठाने के तौर पर सामने आया. बाद में प्रधानमंत्री के चुनाव के रद्द होने के साथ आपातकाल का लगाया जाना और संविधान के बड़े हिस्से को बदल देने वाला 42वां संविधान संशोधन किया गया.

लेकिन इन सब से ज्यादा चिंता की बात है सामाजिक जीवन में बढ़ती नफरत. यह महज संयोग नहीं है कि आज देश में राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी समेत कई समाजवादी दल और बौद्धिक लोग नफरत छोड़ो, संविधान बचाओ और भारत जोड़ो यात्राएं निकाल रहे हैं. डॉ. अंबेडकर ने 26 नवंबर 1949 को भारत को नया संविधान देते हुए यह चिंता जताई थी कि अगर हम सामाजिक और आर्थिक बराबरी नहीं ला सके और यह भूल गए कि हमें सभी लोगों को न्याय देना है तो यह लोकतंत्र चल नहीं पाएगा. उन्होंने यह भी कहा था कि संविधान कितना भी लचर हो अगर उसे लागू करने वाले अच्छे लोग हैं तो वह बढ़िया काम करेगा. लेकिन अगर संविधान बहुत अच्छा हो और उसे लागू करने वाले बुरे हैं तो उसकी गति बुरी ही होगी. यही वजह है कि उन्होंने लोकतंत्र के लिए भाईचारा और बराबरी को प्रमुख गुण माना था. दावोस में होने वाले वर्ल्ड इकॉनमिक फोरम में यह रिपोर्ट पेश की जाती है कि भारत के एक प्रतिशत अमीर लोगों के पास देश की 30 प्रतिशत संपत्ति है, जबकि नीचे के 50 प्रतिशत लोगों के पास 3 प्रतिशत संपत्ति है. वहां इन बातों से बेखबर हमारी सरकार अपनी आर्थिक संभावनाओं के गुण गा रही थी, जबकि दुनिया में आर्थिक संकट की आहट सुनाई पड़ रही है. पूंजीवाद की निरंतर बढ़ती आक्रामकता इस बात की द्योतक है कि उसे अब लोकतंत्र नहीं चाहिए. उसे एक उदारमना तानाशाही चाहिए और उसके लिए वह लंबे समय से काम कर रहा है.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

धर्म का उद्देश्य

धर्म का उद्देश्य, केवल मानव को ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण सृष्टि को अक्षय सुख लब्ध करवाने का मार्ग प्रशस्त करना है. मानव के लिए जीवन के अनुकूल सुख भी एक पड़ाव मात्र है, लक्ष्य तो निश्चित ही शाश्वत सुख है. सभी जीना चाहते हैं मरना कोई नहीं चाहता. इसलिए जियो और जीने दो का सिद्धांत अस्तित्व में आया है. शान्ति से जीने और अन्य को भी जीने देने के उद्देश्य से ही सभ्यता और संस्कृति का विकास हासिल किया गया है. क्योंकि सभ्यता और संस्कार से हम भी आनंद पूर्वक जीते हैं और अन्य सभी प्राणियों के लिए भी सहज आनंद के अवसर उपलब्ध करवाते हैं. यही है धर्म के उद्देश्य की सबसे सरल परिभाषा. इस उद्देश्य को प्रमाण वाक्य मानते हुए ही धर्म शास्त्रों की व्याख्याओं पर दृष्टिपात करना चाहिए. यदि किसी धर्मोपदेश की व्याख्या सभ्यता और संस्कार के विपरीत जाती है तो वह सर्वांग मिथ्या व्याख्या है. जो व्याख्या सभ्यता से पतनोन्मुख करने का कारण बनकर, पुनः आदिम जंगली संस्कार की ओर प्रेरित करे तो धर्मोपदेश की वह व्याख्या निश्चित ही कुमार्ग लक्षी है. हमने युगों के निरंतर, कठिन पुरुषार्थ और दुष्कर संघर्ष के परिणाम स्वरूप ही इस उच्च सभ्यता का संधान किया है. उसका मात्र भ्रांत धार्मिक व्याख्याओं से अद्यपतन कैसे स्वीकार किया जा सकता है. उदाहरण के लिए, हमने जंगली, क्रूर, विकृत खान-पान व्यवहार को आज शुद्ध, अहिंसक, सभ्य आहार से सुसंस्कृत कर लिया है. यहां सभ्यता मात्र स्वच्छ और पोषक आहार से ही अपेक्षित नहीं, बल्कि अन्य जीवसृष्टि के जीवन अधिकार से सापेक्ष है. उसी तरह संस्कृति समस्त दृष्टिकोण सापेक्ष होती है. सभ्यता में सर्वांग प्रकृति का संरक्षण निहित होता है. अब पुनः विकृत खान-पान की ओर लौटना धर्म सम्मत कभी नहीं हो सकता. सभ्यता के विकास का अर्थ आधुनिक साधन विकास नहीं, बल्कि सांस्कृतिक विकास है. ऐसे विकसित आधुनिक युग में यदि कोई अपनी आवश्यकताओं को मर्यादित कर, सादा रहन सहन की शैली अपनाता है और अपने भोग उपभोग को संयमित करता हुआ, पुरातन दृष्टिगोचर होता है तब यह आदिम परंपरा की ओर लौटना नहीं, बल्कि सभ्यता के सर्वोत्तम संस्कार के शिखर को छूना है. धार्मिक व्याख्याओं की वस्तुस्थिति पर इसी तरह विवेकशील चिंतन होना आवश्यक है.

उपलब्धियों के बावजूद कुछ विचारणीय सवाल

• गणतंत्र

सत्यवान सौरभ

> अधिकांश लोग गरीबी रेखा से नीचे रह रहे हैं और अमीर और गरीब के बीच भारी विभाजन है. विषम महिला अनुपात, कुछ आर्थिक अवसरों, मजदूरी में असमानता, हिंसा, कुपोषण आदि के साथ लैंगिक भेदभाव सभी स्तरों पर बना हुआ है. सार्वजनिक जीवन में भ्रष्टाचार भारत में एक प्रमुख चिंता का विषय रहा है. ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल द्वारा जारी करप्शन परसेप्शन इंडेक्स में भारत 180 देशों में 78वें स्थान पर है.

यह सच है कि भारत ने महान लोकतांत्रिक उपलब्धियां प्राप्त की हैं, लेकिन स्वतंत्रता के बाद हमें इस देश और समाज में जिन उच्च आदर्शों की स्थापना करनी चाहिए थी, हम आज ठीक इसके विपरीत दिशा में जा रहे हैं और भ्रष्टाचार, दहेज, मानव घृणा, हिंसा जैसी समस्याएं अश्लीलता और बलात्कार अब जीवन का हिस्सा बनते जा रहे हैं. लेकिन हमारा देश प्राचीन काल से ही अनेक समस्याओं को आगे बढ़ा रहा है, वर्तमान भारत सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश है, ऐसे में युवाओं को अपनी भागीदारी बढ़ाकर देश, समाज और परिवार का लोकतंत्रीकरण करना होगा. हालांकि भारत ने दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में अपना स्थान बनाया है, लेकिन यह विकास के नाम पर बहुत कुछ खो भी रहा है. गरीबी आज के भारत की सबसे बड़ी चुनौती बनी हुई है, अधिकांश लोग गरीबी रेखा से नीचे रह रहे हैं और अमीर और गरीब के बीच भारी विभाजन है. विषम महिला अनुपात, कुछ आर्थिक अवसरों, मजदूरी में असमानता, हिंसा, कुपोषण आदि के साथ लैंगिक भेदभाव सभी स्तरों पर बना हुआ है. सार्वजनिक जीवन में भ्रष्टाचार भारत में एक प्रमुख चिंता का विषय रहा है. ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल द्वारा जारी करप्शन परसेप्शन इंडेक्स में भारत 180 देशों में 78वें स्थान पर है. यह राजनीति, नौकरशाही और कॉर्पोरेट क्षेत्र – तीनों स्तरों पर गुप्त और प्रकट दोनों रूपों में मौजूद है. साम्प्रदायिकता और धार्मिक कट्टरवाद ने भारत में बहुत खतरनाक रूप धारण कर लिया है. यह भारत की राष्ट्रवादी पहचान का अपमान है और इसकी विकसित धर्मनिरपेक्ष संस्कृति के लिए एक दुखद झटका है. राजनीतिक लोकतंत्र की सफलता के लिए आर्थिक लोकतंत्र और सामाजिक लोकतंत्र के साथ इसका गठबंधन आवश्यक है. आर्थिक लोकतंत्र का अर्थ है कि समाज के प्रत्येक सदस्य को उसके विकास के लिए समान भौतिक सुविधाएं प्राप्त हों. लोगों के बीच अधिक आर्थिक असमानता नहीं होनी चाहिए और एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति का शोषण नहीं कर सकता. अत्यधिक गरीबी के वातावरण में एक ओर लोकतांत्रिक राष्ट्र का निर्माण संभव नहीं है और दूसरी ओर सामाजिक लोकतंत्र का अर्थ है कि सामाजिक स्तर पर विशेषाधिकारों की कमी है. लेकिन ये दोनों अभी भी भारत में स्थापित नहीं हो पाए हैं. हमारे देश के 1% अमीरों के पास देश की 85% से ज्यादा संपत्ति है, देश के 63 अरबपतियों की कुल संपत्ति राष्ट्रीय बजट के बराबर है. इसके साथ ही असमानता, लिंग, जातीय, धार्मिक भेदभाव देश को वास्तविक लोकतंत्र स्थापित करने से रोकता है. राजनीति का अपराधीकरण और चुनावों में धन बल का प्रयोग भारतीय चुनावों की एक बड़ी समस्या रही है. मौजूदा लोकसभा में 200 से ज्यादा सांसद ऐसे हैं, जिनके खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं. इसके साथ ही देश में गरीबी, भ्रष्टाचार के हथकंडों ने लोगों के दैनिक जीवन में निराशा फैलाते हुए चुनाव व्यवस्था को प्रभावित किया है. राजनीतिक जीवन में बाहुबल, धनबल, जातिवाद, साम्प्रदायिकता और भ्रष्टाचार के बढ़ते प्रभाव ने राजनीतिक परिदृश्य को विषैला बना दिया है ! भारत की कठिन, दूरगामी और लंबी न्यायिक प्रक्रिया ने देश में न्याय की स्थिति ला दी है.कई बार कुशासन के कारण न्याय की निष्पक्षता ही कटघरे में आ गई है. न्याय में देरी को अक्सर अन्याय के बराबर माना जाता है. हमारी न्यायपालिका में 3 लाख से अधिक मामले लंबित हैं. औपनिवेशिक विरासत से सिविल सेवा और पुलिस सेवा स्वयं को स्वामी मानती है, जबकि लोकतंत्र में दोनों को सेवा प्रदाता माना जाता है. इसके साथ ही पितृसत्ता, खाप पंचायत जैसी अवधारणाओं ने देश में लोकतंत्र को कमजोर किया है. एक चिंता यह भी है कि भारत में समूह की प्राथमिक इकाई परिवार और समाज दोनों ही अब लोकतांत्रिक नहीं रह गए हैं. भारतीय लोकतंत्र भी क्षेत्रवाद से संघर्ष करता है, जो मुख्य रूप से क्षेत्रीय असमानताओं और विकास में असंतुलन का परिणाम है. राज्य के भीतर और भीतर असमानता की निरंतर भावना उपेक्षा, अभाव और भेदभाव की भावना पैदा करती है. लोकतंत्र की सबसे स्पष्ट अभिव्यक्ति के रूप में काम करने वाले चुनाव राजनेताओं और राजनीतिक दलों द्वारा धन और बाहुबल के दुरुपयोग से प्रभावित होते हैं. अधिकांश राजनेताओं के खिलाफ आपराधिक मामले लंबित हैं; चुनावों के लिए धन के स्रोत संदिग्ध बने हुए हैं. भारत का बहुलवाद इसकी सबसे बड़ी ताकत है और दुनिया के लिए इसका सबसे बड़ा उदाहरण है. "भारतीय मॉडल" विविधता, लोकतंत्र और विकास के तिपाई पर टिका है.

गणतंत्र यानी संभावनाओं का विस्तार

• सामयिकी

किशोर

> इसी चमक को देख और दिखाकर भारत का आत्म-मुग्ध और अदूरदर्शी शासक वर्ग दावा करने लगा है कि हमारा देश अब विकसित देशों की पंक्ति में आ गया है. इस दावे से सिर्फ इतना ही पता चलता है कि यह स्वार्थी और आत्म-केंद्रित वर्ग जब 'हमारा देश' कहता है, तो उसकी नजर सिर्फ दस-पंद्रह करोड़ व्यक्तियों की जिंदगी पर केंद्रित रहती है.

यह कहना उचित नहीं है कि गणतंत्र से हमें क्या मिला ? पूछना यह चाहिए कि गणतंत्र से हमें इतना कम क्यों मिला ? इस प्रश्न का पूरा उत्तर ढूंढ़ने में ही गणतंत्र की शेष संभावनाएं छिपी हुई हैं. भारत में आकर सभी आधुनिक सिद्धांत पानी पीने लगते हैं. अमर्त्य सेन की प्रसिद्ध उक्ति है कि जहां लोकतंत्र और प्रेस की आजादी है, वहां बड़े पैमाने पर कोई अनाचार नहीं हो सकता. लोग शोर करेंगे, विरोध की आवाजें उठेंगी, प्रेस मुद्दा बनाएगा और चूंकि शासकों को अगले चुनाव में सफल होने के लिए वोट चाहिए, वे जन असंतोष को शांत करने के लिए कुछ न कुछ जरूर करेंगे. इस तरह राज्य की सत्ता जनतांत्रिक प्रक्रिया से छनकर शुद्ध होती चलती है. सिद्धांत के स्तर पर बात एकदम टकसाली सच लगती है, लेकिन क्या यह भारत पर लागू भी होती है? यह दावा कौन कर सकता है कि लोकतांत्रिक भारत साल-दर-साल बेहतर होता जाता है ? एक मायने में बेहतरी जरूर हुई है और होती ही जा रही है. वह है उपभोग के आधुनिक सामान में वृद्धि. मोबाइल फोन की क्रांति ने कुछ ही वर्षों में देश-काल का जो संकोच कर दिया है, वह आश्चर्यजनक है. महानगरों में साधारण व्यक्तियों को भी, यहां तक कि बिजली मिस्त्रियों, प्लंबरों और घरेलू नौकरानियों को भी मोबाइल फोनों का इस्तेमाल करते देखा जा सकता है. आधुनिक जीवन के अन्य उपकरणों फ्रिज, रसोई गैस, टेलीविजन इत्यादि का प्रयोग भा बढ़ा है. मध्यवर्गीय जीवन में संपन्नता के चमकते चिह्न दिखाई देने लगते हैं. रंगे-पुते चेहरों की भरमार हो गई है. इसी चमक को देख और दिखाकर भारत का आत्म-मुग्ध और अदूरदर्शी शासक वर्ग दावा करने लगा है कि हमारा देश अब विकसित देशों की पंक्ति में आ गया है. इस दावे से सिर्फ इतना ही पता चलता है कि यह स्वार्थी और आत्म-केंद्रित वर्ग जब 'हमारा देश' कहता है, तो उसकी नजर सिर्फ दस-पंद्रह करोड़ व्यक्तियों की जिंदगी पर केंद्रित रहती है. उसकी राजनीतिक चेतना से यह बात निरंतर ओझल रहती है कि देश के सत्तर-अस्सी करोड़ लोग किस तरह जी रहे हैं. उन्हें पेट भर स्वास्थ्यप्रद खाना मिलता है या नहीं, स्वच्छ पानी के स्रोत उनके घरों से कितने दूर हैं और गंभीर रूप से बीमार होने पर अस्पताल में भर्ती होने के लिए उन्हें कितनी दूर जाना पड़ता है और उचित चिकित्सा के अभाव में तथा दवाओं और चिकित्सकों के भारी खर्च को न सह पाने के कारण कितने लोग रोज दम तोड़ देते हैं.विषमता रहित समाज के लिए और भी ऊंचा सिद्धांत चाहिए. कोई चाहे तो यह उच्चतर सिद्धांत गणतंत्र की बारीक व्याख्या से भी निकाल सकता है. लेकिन किसी भी जागरूक समाज में गणतंत्र इतना तो करता ही है कि कोई अपने को असहाय महसूस न करे. राज्य संपन्न व्यक्ति को और ज्यादा संपन्न होने की छूट और सुविधा देता है, तो विपन्न व्यक्ति को भी आवश्यक सुरक्षा प्रदान करता है. इसलिए हम पश्चिमी देशों में परिवार और पाठशाला से लेकर उच्चतम व्यवस्था तक में कुछ गणतांत्रिक तत्त्वों को देख सकते हैं.

फ्रांस के अप्रतिम चिंतक विक्टर हूगो ने ठीक ही कहा है कि जिस विचार का समय आ गया है, उसे कोई रोक नहीं सकता. यह बात फ्रांस की क्रांति के समय कही गई थी. लोकतंत्र भी ऐसा ही विचार है. पुरानी काट के राजा-महाराजाओं का युग बीत गया तो बीत गया. उनकी वापसी असंभव है. तानाशाह अभी भी बचे हुए हैं, पर उनके दिन भी गिने-चुने हैं. पूंजी का शासन जरूर मजबूत हो रहा है, लेकिन यह भी कितने दिन टिक सकेगा ? दरअसल, जो भी चीज समाज के हित में नहीं है, वह कुछ ही दिनों तक बनी रह सकती है, क्योंकि समाज से उसका द्वंद्वात्मक रिश्ता बन जाता है और इतना शक्तिशाली कौन है, जो समाज को गुलाम बनाकर रख सके. ऐसा ईश्वर भी टिक नहीं सकता, जो विषमता को विचार मानता हो. इसलिए तमाम गणतंत्र-विरोधी ताकतों के बने रहने के बावजूद गणतंत्र भारत में भी एक मुक्तिदात्री प्रक्रिया साबित हुआ है. भारत में गणतंत्र न होता, तो क्या दलित अपना आक्रोश इतनी तुर्शी से व्यक्त कर सकते थे? गणतंत्र की अनुपस्थिति में क्या मंडल क्रांति हो पाती ? देश के सभी अल्पसंख्यकों को गणतंत्र से ही ताकत मिलती है. स्त्री-पुरुष संबंधों में भी पहलेवाली तानाशाही नहीं रही. स्त्री पहले कराह भी नहीं सकती थी. आज वह बराबरी की मांग करती है. गांवों की पंचायतों में आधी संख्या स्त्रियों और दलितों की होती है. इसलिए यह कहना उचित नहीं है कि गणतंत्र से हमें क्या मिला ?

मीडिया में अन्यत्र

भारत मालद्वीप : रिश्तों में उथलपुथल

मालदीव के मंत्रियों की अपमानजनक टिप्पणियों और भारतीय पर्यटकों से इस द्वीपसमूह का बहिष्कार करने के आह्वान के साथ-साथ मालदीव में तैनात भारतीय सैनिकों को लेकर भारत-मालदीव के बीच तनातनी के कुछ ही हफ्तों के भीतर, दिल्ली और माले एक अन्य विवाद से रूबरू हैं. इस बार मसला "अनुसंधान" करने वाले चीनी जहाज जियांग यांग होंग 03 का है, जिसके फरवरी में माले में लंगर डालने की उम्मीद है. भारत ने हिंद महासागर में चीनी जहाजों की मौजूदगी को लेकर अपनी चिंताएं स्पष्ट कर दी हैं. "अनुसंधान" करने वाले चीनी जहाजों की श्रीलंका यात्रा पर आपत्ति जताने के बाद, नई दिल्ली यह सुनिश्चित करने में कामयाब रही कि कोलंबो 2024 से उन सभी अनुसंधान करने वाले विदेशी जहाजों पर प्रतिबंध लगा दे, जिनके बारे में यह माना जाता है कि वे वहां लंगर डालकर सैन्य और नागरिक मकसदों के लिए आंकड़े इकट्ठा करते हैं. एक ऐसे समय में जब राष्ट्रपति मुइज्जू की नई सरकार ने भारत-मालदीव हाइड्रोग्राफी समझौते को रद्द कर दिया है, नई दिल्ली की नजर में चीनी जहाजों की आगवानी में पलक-पावड़े बिछाया जाना एक प्रतिशोध जैसा है. माले ने संयुक्त राज्य अमेरिका हिंद-प्रशांत कमांड के कमांडर की यात्रा का भी स्वागत किया, जिन्होंने उपकरण पेश किए. ये घटनाक्रम कई अन्य झटकों के बाद हुए हैं, जिसकी शुरुआत पिछले साल "इंडिया आउट" नारे के साथ अभियान चलाने वाले श्री मुइज्जू की चुनावी जीत से हुई थी. उनकी सरकार की भारतीय कर्मियों को बाहर निकालने की योजना तथा तुर्किये, संयुक्त अरब अमीरात और चीन की यात्राओं को प्राथमिकता देने के उनके फैसले ने हालात को और ज्यादा संगीन बना दिया.यह महत्वपूर्ण है कि माले के विरोध और भारत में अति राष्ट्रवादी आह्वानों के बावजूद, नई दिल्ली ने मुइज्जू सरकार से संपर्क साधना बंद नहीं किया है. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिसंबर में श्री मुइज्जू से मुलाकात की थी और पेचीदा मुद्दों पर द्विपक्षीय बातचीत के लिए एक उच्चस्तरीय कोर ग्रुप का गठन किया. विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी पिछले सप्ताह मालदीव के विदेश मंत्री से मुलाकात की थी. उम्मीद है कि दोनों पक्षों को इस बात का एहसास होगा कि उनके बीच पनपे तनाव सिर्फ उन समस्याओं के लक्षण हैं, जो बड़ी बन सकती हैं: पहला, एक क्षेत्रीय शक्ति जो वैश्विक शक्ति बनने की आकांक्षा रखती है और दूसरा, एक द्वीपसमूह जो अपनी आर्थिक और क्षेत्रीय सुरक्षा संबंधी जरूरतों के लिए बाहरी ताकतों पर निर्भर है. जहां किसी भी देश के लिए संप्रभुता सर्वोपरि है, वहीं यह भी महत्वपूर्ण है कि दोनों पक्ष टकराव के बजाय शांति के फायदों पर गौर करें. (द हिंदू)

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

गण/तंत्र

गणतंत्र भारत की सनातन संस्कृति में रचा-बसा शब्द है. सनातन संस्कृति में एक बहुत ही शक्तिशाली देवता हैं गणपति, भगवान गणेश-सर्वस्थूल तनुं गजेंद्र वदनं लंबोदरं सुंदरं. भगवान गणेश या गणनायक को प्रथम पूज्य कहा जाता है, गणपति का मतलब गण का नायक. गणनायक ही गणराज्य के प्रेरणास्रोत हैं. गणतंत्र में गण इसी अर्थ में ध्वनित होता है. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार गण का अर्थ है दल, समूह या जत्था, गिरोह, टोली, वर्ग, श्रेणी. गणतंत्र संस्कृत तत्सम संज्ञा पुल्लिंग शब्द है, जिसमें तत्पुरुष समास है. गण का उपयुक्त अर्थ है किसी समान उद्देश्य वाले लोगों का समूह. अनुचर और सेवक को भी गण कहा जाता है. शिव के गण का सीधा मतलब है शिव के दूत या सेवकों का दल. समानता के आधार पर किसी व्यक्ति, जीव या वस्तुओं का वह विभाग जिसके और उपविभाग किये जा सकते हों. छंद शास्त्र में तीन वर्णों का वर्ग या समूह गण कहलाता है. जैसे जगण, तगण, नगण, भगण, यगण और सगण. गण से ही बना गणना शब्द का अर्थ है गिनने की क्रिया, गिनती, लेखा, हिसाब. जिसकी गणना की जा सके यानी गिनने योग्य हो, प्रतिष्ठित वर्ग में आने के काबिल हो, लिहाज करने योग्य है. अगला शब्द तंत्र है. इसका सामान्य अर्थ है शासन की एक विशिष्ट प्रणाली, सिस्टम, राज्य और उसके अंतर्गत काम करनेवाले सभी राजकीय कर्मचारी, कोई कार्य करने की प्रक्रिया, व्यवस्था. तंत्र का मतलब डोरा या सूत, तंतु, कपड़े बुनने की सामग्री, चमड़े की डोरी, तांत भी होता है. तंत्र-मंत्र शब्दयुग्म का तंत्र है भारतीय साधना की एक पद्धति जिसमें प्रतीकों और बीजाक्षरों का प्रयोग अभीष्ट की सिद्धि के लिए किया जाता है. गणतंत्र का अर्थ हुआ ऐसी शासन प्रणाली जिसमें परंपरागत राजा या रानी के शासन के बजाय जनता द्वारा ही चुनाव प्रक्रिया द्वारा शासक या प्रतिनिधि चुने जाते हैं, वह देश या राज्य जिसकी सत्ता जनसाधारण में निहित होती है.

तेरा मास्टर ही करेंगे बेड़ा पार !

• तीर-तुक्का

रवि प्रकाश

गुरु जी यानी मास्टर साहब की मक्खनबाजी ही जीवन का सार है, जिसने गुरु को मक्खन लगा दिया, उसका बेड़ा पार और जो यह समझता रहा कि मेरा ज्ञान ही मुझे परीक्षा में सफल कराएगा, वह मतिमंद और भ्रम में डूबा हुआ छात्र मँझधार में डूब जाता है. किनारे पर वही पहुंच पाता है जिसे मास्टर साहब की कृपा प्राप्त हो जाती है. प्रायः यह कृपा ट्यूशन पढ़ने से प्राप्त होती है. इस कार्य में यद्यपि छात्र को अपनी जेब ढीली करनी पड़ती है, लेकिन फिर वह मंद-मंद मुस्काते हुए परीक्षा-कक्ष में परीक्षा देने के लिए जाता है और जैसी कि उसे आशा थी ट्यूशन पढ़ाने वाले गुरु जी के बताए हुए प्रश्न ही परीक्षा में आते हैं. वह निपुणता पूर्वक उनका उत्तर लिखता है और अगर कोई कमी रह भी जाती है तो कॉपी जांचने के लिए गुरु जी के ही पास जानी है. वह अपने प्रिय शिष्य को कभी भी परीक्षा में फेल नहीं होने देते. जिसे गुरु का संबल मिल गया, वह समझ लो परीक्षा में उत्तीर्ण हो गया. जिसने अपने आप पर भरोसा किया, उसकी मटकी नदी के बीचो-बीच टूटनी निश्चित है. आमतौर पर जिन विषयों में प्रैक्टिकल की परीक्षा भी होती है. उनमें तो बिना गुरु के आशीर्वाद के छात्र के लिए परीक्षा की वैतरणी प्राप्त करना असंभव है. गुरु के ऊपर यह निर्भर करता है कि वह प्रैक्टिकल में कितने नंबर छात्र को दिलवाए. आंतरिक परीक्षा में सब कुछ गुरु के हाथ में रहता है. लेकिन अगर बोर्ड की भी परीक्षाएं हैं और बाहर से भी कोई परीक्षक प्रैक्टिकल की परीक्षा लेने आ रहा है तब भी वह लोकल-गुरु से विचार विमर्श अवश्य करता है तथा उसकी सलाह पर ही छात्रों को अंक प्रदान किए जाते हैं. लोकल-गुरु अपने परम प्रिय शिष्यों को ज्यादा से ज्यादा नंबर दिलाने के लिए प्रयत्नशील रहते हैं. शिष्य को केवल गुरु के चरण दबाने होते हैं. बाकी सारा कार्य गुरु के ऊपर छोड़ दिया जाता है. गुरु कह देते हैं -"बस तुम मेरी चमचागिरी करते रहो. मैं तुम्हारी सारी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर लूंगा." प्रैक्टिकल के मामले में गुरु की सत्ता सर्वोच्च होती है. जब तक गुरु न चाहे ,शिष्य प्रैक्टिकल करना नहीं सीख सकता. जिन छात्रों को गुरु की महत्ता का ज्ञान नहीं होता, वह गुरु का अनादर कर बैठते हैं. कई बार उससे उलझ लेते हैं.

धर्म अध्यात्म

इन तीन राशियों के लिए खुल रहे भाग्य के द्वार

आचार्य अजय कुमार मिश्रा

अगर मौजूदा दौर से कुछ परेशान से हैं तो यह परेशानी शायद अब खत्म होने वाली है. फरवरी महीने ग्रहों की स्थिति कुछ ऐसी बदल रही है कि कई राशियों के लिए भाग्य के द्वार खुल रहे हैं. दरअसल फरवरी महीने में सूर्य, मंगल, बुध और शुक्र समेत 4 बड़े ग्रह अपनी राशि बदलने जा रहे हैं, जिससे कन्या समेत कुछ राशियों को जबरदस्त लाभ होने वाला है.

आने वाला मास यानी फरवरी ग्रहों के राशि परिवर्तन के दृष्टिकोण से बेहद महत्वपूर्ण प्रतीत हो रहा है. इस महीने में सूर्य, बुध, शुक्र और मंगल समेत 4 बड़े ग्रह अपनी चाल बदलने जा रहे हैं. दरअसल हिंदू पंचांग के अनुसार, 1 फरवरी को ग्रहों के राजकुमार बुध मकर राशि में जाएंगे. वहीं 5 फरवरी को मंगल मकर राशि में गोचर करेंगे. धन-ऐश्वर्य के ग्रह शुक्र 12 फरवरी को मकर राशि में प्रवेश करेंगे. 13 फरवरी को सूर्यदेव कुंभ राशि में चले जाएंगे. फरवरी माह में मकर राशि में सूर्य, मंगल और बुध ग्रह एक साथ आएंगे. इससे बुधादित्य राजयोग और आदित्य मंगल योग का निर्माण होगा. इसका शुभ-अशुभ प्रभाव सभी 12 राशियों पर नजर आएगा. लेकिन सिंह, कन्या और तुला राशि के लिए यह समय भाग्य के द्वार खोल देगा. आइए जाने इन तीन राशियों पर क्या पड़ेगा.

सिंह राशि

फरवरी महीने के पहले दिन से ही जीवन में सकारात्मकता का अनुभव होगा. पिछले कुछ दिनों से जिस बात से आप परेशान रहे हैं, उनसे निजात मिलेगा. एक नई ऊर्जा सी महसूस होगी. आत्मविश्वास में इजाफा होगा. जीवन में नए सकारात्मक बदलाव आएंगे. वैवाहिक जीवन में मधुरता बढ़ेगी. जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा. करियर में भी विकास होगा. तरक्की के कई सुनहरे अवसर मिलेंगे.

कन्या राशि

कन्या राशि वालों के करियर के लिए यह मास खास होगा. करियर में नई उपलब्धियां हासिल होगी. इस वक्त आप कई बार खुद को अधीर महसूस कर सकते हैं, लेकिन कार्यों में आ रही बाधाएं जल्द दूर होंगी. शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी. निराशा के बादल जो कुछ समय से छाए हुए थे, अब दूर होंगे. कड़ी मेहनत का फल मिलेगा. आत्मविश्वास में इजाफा होगा. कार्यक्षेत्र में आपके कार्यों की प्रशंसा होगी. तरक्की के अवसर खुलेंगे.

तुला राशि

माह के शुरुआत में ही बदलाव महसूस होगा. हमेशा एक सकारात्मकता सी महसूस होगी. दोस्तों की मदद से कार्यों की बाधाएं दूर होंगी. जीवनसाथी के संग रिश्ता पहले से अधिक मजबूत और मधुर होगा. आपसी आकर्षण बरकरार रहेगा और रिश्तों में प्यार-रोमांस बढ़ेगा. स्वभाव में कभी कभी अधिक महत्वकांक्षा नजर आ सकती है. यह कई लिहाज से बेहतर परिणाम देगा. लेकिन ध्यान रखें कि स्वभाव में विनम्रता बनाएं रखें. खास कर पार्टनर से बातचीत के दौरान व्यवहार की कोमलता नहीं छोड़ें.

खुशी संदेश-03

जैसी रहेगी आपकी संगत, वैसे ही होंगे गुण

मुकेश चौहान

एक अध्यापक अपने शिष्यों के साथ घूम रहे थे. रास्ते में वे अपने शिष्यों को अच्छी संगत की महिमा समझा रहे थे. लेकिन शिष्य इसे समझ नहीं पा रहे थे. तभी अध्यापक ने फूलों से भरा एक गुलाब का पौधा देखा. उन्होंने एक शिष्य को उस पौधे के नीचे से तत्काल एक मिट्टी का ढेला उठाकर ले आने को कहा. जब शिष्य ढेला उठा लाया तो अध्यापक बोले– इसे अब सूंघो. शिष्य ने ढेला सूंघा और बोला- गुरु जी, इसमें से तो गुलाब की बड़ी अच्छी खुशबू आ रही है. तब अध्यापक बोले- जानते हो, इस मिट्टी में यह मनमोहक महक कैसे आई ? दरअसल इस मिट्टी पर गुलाब के फूल, टूट-टूटकर गिरते रहते हैं. इसलिए मिट्टी में भी गुलाब की महक आने लगी है. यह असर संगत का है. जिस प्रकार गुलाब की पंखुड़ियों की संगति के कारण इस मिट्टी में से गुलाब की महक आने लगी, उसी प्रकार जो व्यक्ति जैसी संगत में रहता है उसमें वैसे ही गुण-दोष आ जाते हैं. लब्बोलुआब यह, संपूर्ण व्यक्तित्व विकाश के लिए हमें सदैव अच्छी संगत रखनी चाहिए.

माघ का माधव से संबंध

डॉ मयंक मुरारी

माघ मास का हरेक दिन पर्व है. इसके हरेक दिवस के साथ उत्सव जुड़ा है. वैदिक काल में शिशिर के पौष और माघ को तप और तपस्या का मास कहा जाता था. बाहरी वातावरण में ठंडा बतास बहता है और जीवन के अंदर ताप का वास होता है. बाहर के बतास का संबंध भीतर के ताप से हो, ताकि व्यक्ति को इस जन्म जन्मांतर से मुक्ति प्राप्त हो सके. समूचे संवत्सर में माघ की प्रतीक्षा इसी कारण होती है.

आज से माघ मास प्रारंभ

माघ का महीना पहले माघ का महीना कहलाता था. माघ अर्थात श्री कृष्ण के एक स्वरूप माधव से इसका संबंध है. मान्यता है कि माघ मास में किए गए कार्यों का फल कई जन्मों तक मिलता है. यही वजह है कि माघ महीने में श्रीकृष्ण, सूर्य देव की पूजा, गंगा स्नान, जरुरतमंदों को दान देने का विशेष महत्व है

माघ बना माघ

माघ का महीना पहले माघ का महीना कहलाता था. माघ अर्थात श्री कृष्ण के एक स्वरूप माधव से इसका संबंध है. मान्यता है कि माघ मास में किए गए कार्यों का फल कई जन्मों तक मिलता है. यही वजह है कि माघ महीने में श्रीकृष्ण, सूर्य देव की पूजा, गंगा स्नान, जरुरतमंदों को दान देने का विशेष महत्व है.

कल्पवास का मास

माघ मास में कल्पवास (तैतरीय संहिता 1.4. 14) का विधान है. कल्पवास यानी नदी के तट पर निवास करना और यज्ञ, तप, सेवा, ध्यान और योगादि क कर्म के माध्यम से जीवन को आत्मिक उन्नति के मार्ग पर ले जाना होता है. यह कल्पवास पौष शुक्ल एकादशी से आरंभ होकर माघ शुक्ल द्वादशी पर्यन्त एक मास तक का विधान है. संयम, करुणा, अहिंसा और श्रद्धा के गुण कल्पवास की मूल भावना के साथ जुड़े हैं.

रिवाज में ये सब

हमारे जीवन का बहुत बड़ा हिस्सा रहस्य का है. इस रहस्य को ह्रदय के माध्यम से जाना जाता है. अंतर की अनुभूति के लिए माघ सबसे उपर्युक्त है. इसकारण ऋषियों ने गुण धर्म के आधार पर इस माह का नामांकन तपस्यः किया था. इस ऋतु में प्रकृति पर बुढ़ापा छा जाता है. वृक्षों के पत्ते झड़ने लगते हैं. चारों ओर कुहरा छाया रहता है. इस ऋतु से ऋतुचक्र के पूर्ण होने का संकेत मिलता है. और फिर से नववर्श और नवीन जीवन की शुरूआत होने लगती है. माघ महीने की शुक्ल पंचमी से वसंत ऋतु का आरंभ होता है. इस दिन माता सरस्वती की आराधना की जाती है. भगवान शिव की आराधना के लिए महाशिवरात्रि का महापर्व इस मास में ही मनाया जाता है. प्राचीन पुराणों में वर्णन है कि माघ मास के पुण्य स्नान से नारायण प्राप्त होते हैं. श्रद्धालु इस माह में कम से कम एक दिन भी गंगा स्नान कर पुण्य के भागी बनना चाहते हैं. माघ मास में खिचड़ी, घृत, नमक, हल्दी, गुड़, तिल के दान को महादान बताया गया है. इस कारण सदियों से माघ मास में देश के विभिन्न नदियों गंगा, यमुना, सरस्वती, कावेरी, नर्मदा, कृष्णा के तट पर माघ मेला लगता है. इस अवधि में पवित्र नदियों में स्नान करने से एक विशेष ऊर्जा की प्राप्ति होती है. माघ मास में कृष्ण पक्ष की मौनी अमावस्या का दिन भी अति पवित्र होता है. इस दिन मौन रहकर या मुनियों जैसा आचरण करते हुए स्नान-दान करने का रिवाज है.

तप और त्याग का मास

उपनिषद के ऋषियों ने सूर्य मंडल में मधुनाड़ी की उपस्थिति का अनुभव किया था. इस मधुनाड़ी के कारण बहने वाली हवाएं भी सोम, रस और प्राण से उत्प्रेरित होती हैं. इसलिए यह सूर्य के उत्तरायण का कारण बनता होता है. सूर्य तप का और ज्ञान का प्रतीक है. इससे माघ की पूरी अवधि तप और त्याग का होता है. इसमें एक ओर शरीर का बल धीरे धीरे घटता जाता है तो दूसरी ओर पत्ते, वातावरण में पीलापन, फसल की पियराई के कारण फसल और अन्न के दान में मीठास आता है. यह मिठास हमारे भीतर जाकर रुग्णता को खत्म कर मजबूती प्रदान करती है. शीतकाल का खानपान वर्षभर रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है. इस काल में मीठा भोजन अच्छा लगता है, जो स्वास्थ्य की दृष्टि से दवा का काम करता है तथा सुपाच्य और स्वादिष्ट होता है. जिसके प्रसाद से जगत का विकास और पोषण चलता है, उसकी गति का आरंभ माघ है.

"माधवः प्रीयताम" कहते हुए दान दें ऊनी वस्त्र, जूते, अन्न

माघ का पवित्र मास आज से प्रारंभ हो रहा है. धार्मिक ग्रंथों में पूजा-पाठ, दानधर्म, स्वास्थ्य लाभ और पुण्य प्राप्ति के लिए माघ का महीने के महत्व का वर्णन है. इस माह में सनातन धर्म के लोग प्रयागराज में एक महीने का कल्पवास करते हैं. शास्त्रों में इस माह हमारे लिए कुछ विशेष दिशा निर्देश दिए गए हैं. आइए, जाने कि माघ मास में करना पुण्य के लिए द्वार खोलेगा-

ब्रह्म मुर्हूत में स्नान

नारदपुराण में माघ मास में ब्रह्ममुहूर्त के स्नान का महत्व वर्णित है. कहा गया है कि इससे प्राणी के सभी महापातक दूर हो जाते हैं और प्राजापत्य-यज्ञ का फल प्राप्त होता है. इस माह में किसी भी तीर्थ, नदी और समुद्र में स्नान करने से अनंत पुण्य की प्राप्ति होती है. अगर किसी कारणवश आप ऐसा नहीं कर पा रहे हैं तो घर में ही स्नान के पानी में पवित्र जल का कुछ अंश मिला दें.

सूर्य की उपासना

पदमपुराण में इस बात का उल्लेख है कि पूजा, तपस्या, यज्ञ आदि से भी श्रीविष्णुजी को उतनी प्रसन्नता नहीं होती जितनी कि माघ महीने में प्रातः स्नान कर जगत को प्रकाश देने वाले भगवान सूर्य को अर्घ्य देने से होती है. धर्म के विद्वानों ने सलाह दी है कि पूरे मास के दौरान सुबह स्नान कर सूर्य मंत्र का उच्चारण करते हुए सूर्य को अर्घ्य दें. इससे समस्त पापों से मुक्ति मिलती है.

शिवलिंग पर अभिषेक

माघ मास में शिवजी की पूजा का भी विशेष महत्व है. पूरे माह जल में गंगाजल की कुछ बूंदें मिलाकर शिवलिंग पर जलाभिषेक करें. इससे मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है. विशेष कामना की पूर्ति के लिए इस माह में रुद्राभिषेक कराने की सलाह दी जाती है. इस समय श्री विष्णुसहस्रनाम व श्री सूक्त का पाठ भी धन-ऐश्वर्य की प्राप्ति दिलाता है.

दान

माघ मास में दान का विशेष महत्व है. इस मास में तिल, गुड़ और कंबल के दान करना चाहिए. ऊनी वस्त्र, रजाई, जूता एवं जो भी शीतनिवारक वस्तुएं हैं उनका दान कर 'माधवः प्रीयताम' यह वाक्य कहना चाहिए. मत्स्य पुराण में माघ मास में ब्रह्मवैवर्त पुराण के दान का महत्व बताया गया है. प्रतिदिन अन्न दान करने से कभी धन की कमी नहीं आती है.

माघ मास का महत्व

एक पौराणिक कथा के अनुसार, माघ मास में गौतम ऋषि ने इंद्रदेव को श्राप दिया था. जब इंद्रदेव ने उनसे क्षमा याचना मांगी तो गौतम ऋषि ने माघ मास में गंगा स्नान कर प्रायश्चित करने को कहा. तब इंद्रदेव ने माघ मास में गंगा स्नान किया था. इसके बाद इंद्रदेव को श्राप से मुक्ति मिल गई थी. इसलिए माघ पूर्णिमा और अमावस्या के दिन का स्नान पवित्र माना जाता है.

परीक्षा के दबाव ज्योतिषीय पक्ष

दसवीं-बारहवीं की बोर्ड परीक्षा के नजदीक आते ही बच्चे तो बच्चे उनके माता पिता भी परीक्षा के बुखार से ग्रसित होने लगते हैं. बच्चों पर अधिक से अधिक अंकों से उत्तीर्ण होने का दवाब इतना अधिक होता है कि वे तनाव से ग्रसित होने लगते हैं. बच्चों में बढ़ते इस तनाव का ज्योतिषीय पक्ष को जानने का प्रयास करेंगे-

1. जन्म कुंडली में लग्न, सूर्य एवं चंद्र का कमजोर होना. अशुभ ग्रहों से युत और दृष्ट होकर नवांश कुंडली के अष्टम भाव, द्वादश भाव से संबंध बनाना. यह योग शारीरिक रूप से दुर्बलता प्रदान करता है.
2. नीच के चंद्र का संबंध वक्री एवं अस्त बुध के साथ होना. कुंडली में बनने वाला यह योग मानसिक दुर्बलता को दर्शाता है. इस योग का संबंध यदि पंचम भाव के साथ साथ शनि मंगल और राहु से हो जाए तो ऐसा बच्चा मानसिक रूप से इतना उलझ जाएगा कि वहां से बहार कैसे निकला जाए निर्णय नहीं ले पायेगा.
3. पंचम भाव में नीच का मंगल हो और पंचमेश छठे या अष्टम भाव में राहु, केतु के साथ हो. इस योग की वजह से बच्चे में मानसिक उग्रता आएगी और इस वजह से विषय को ठीक से समझ नहीं पायेगा.
4. पंचमेश का मृत्यु भाग में होना बच्चे को विषय पर ठीक से पकड़ बनाने में अक्षम करेगा.
5. चतुर्दशी के चंद्र का सूर्य के साथ होना अस्थिर मन को दर्शाता है.
6. कमजोर पंचम, पंचमेश के साथ यदि द्वितीय भाव एवं द्वितीयेश भी बिगड़ा हुआ है तो ऐसे योग के प्रभाव वाला बच्चा पढाई को लेकर सही स्थिति को छुपाता रहता है.
7. बोर्ड परीक्षा के समय चलनेवाल दशा के संबंध यदि पंचम भाव से, दशम भाव से, एकादश भाव से नहीं बन रहा है तो परीक्षा में बच्चे द्वारा प्रतिकूल प्रदर्शन के संकेत मिलता है.

आगे बढ़ने से पहले यह कहना बेहद जरूरी कि ज्योतिष कभी भी एकांगी होकर बात नहीं करता. किसी एक योग के निर्माण से सम्पूर्ण फलादेश नहीं करने की सलाह देता. कुंडली को समग्रता एवं सम्पूर्णता में विश्लेषित करने की सलाह देता है.

-कृष्णा नारायण

बच्चे का स्टडी रूम और वास्तु

स्वामी विमलेश
वास्तु विशेषज्ञ

बच्चा कुशाग्र बुद्धि का होता है, तब भी कई बार पढ़ाई में दिल नहीं लगाता. एकाग्र नहीं हो पाता. कई बार बच्चा मेहनत तो करता है लेकिन अपेक्षित फल नहीं मिल पाता. बेशक पढ़ाई लिखाई में कहां-किस स्तर पर कमी रह गई यह माता-पिता, शिक्षक, काउंसलर का विषय है. लेकिन वास्तु की माने तो इसमें भी कुछ खास बातें काम कर जाती हैं. आइए जाने कि वास्तु के अनुसार बच्चों की पढ़ाई का कमरा कैसा और कहां हो-

1. बच्चों का पढ़ाई का कमरा उत्तर दिशा, पूर्व दिशा या उत्तर-पूर्व दिशा में होना चाहिए. पढ़ाई करते समय उत्तर या पूर्व दिशा की तरफ ही मुख करें.
2. बच्चे की स्डली टेबल या पढ़ाई का स्थान कभी भी बीम या पिलर के नीचे नहीं हो, इस बात का ध्यान रखें. पढ़ाई में एकाग्रता के लिए यह बेहद जरूरी है.
3. बच्चे की पढ़ाई करने की मेज पर ग्लोब या तांबे का पिरामिड रखना उचित रहता है. इससे पढ़ाई में मन एवं ध्यान लगाने में मदद मिलती है.
4. यदि तमाम कोशिश के बाद भी बच्चा पढ़ाई में दिल नहीं लगाता तो उसके कमरे में एक बार मोरपंख रख कर देखें. इससे एकाग्रता बढ़ती है और पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित रहता है.
5. जिस कुर्सी पर बैठ कर बच्चा पढ़ता है, उसके पीछे का हिस्सा सिर से ऊंचा होना चाहिए. पढ़ते वक्त सामने किताबों का ढेर नहीं हो, यह सुनिश्चित करें. जिस किताब-कॉपी को पढ़ना हो बस वही साथ रखें.
6. कमरे की पूर्व दिशा में एक उगते हुए सूर्य का चित्र लगाएं. साथ ही उसके पीछे कोई दरवाजा खिड़की न हो, इससे ध्यान ज्यादा भटकेगा.
7. कमरे में सूर्य के प्रकाश की समुचित व्यवस्था हो. कमरे की पूर्व दिशा या ईशान कोण में देवी सरस्वती का चित्र लगाएं.
8. पढ़ते समय मेज पर एक पानी का गिलास भरकर रखें. अध्ययन कक्ष में कोई भारी सामान न रखें. कमरा जितना खाली और साफ-सुथरा होगा, पढ़ाई में उतना मन लगेगा.
9. बच्चों के स्टडी रूम की दीवारों को हल्का पीला, हल्का गुलाबी, हल्का हरा आदि से ही रंगाएं. यह रंग उन्हें पढ़ाई व लक्ष्य में ध्यान केंद्रित करने में मदद करते हैं.

दूर होगी पैसे की बाधा आजमाए ये उपाय

धन-ऐश्वर्य की प्राप्ति की इच्छा भला किसे नहीं होती. हर व्यक्ति चाहता है कि धन का प्रवाह बना रहे और पैसे रुपयों की दिक्कत वह नहीं झेले. लेकिन यह चाहत सभी की पूरी नहीं हो पाती. कईलोग हमारे आसपास ऐसे मिलेंगे जो पूरी मेहनत के बाद भी जिंदगी की दौड़ में असफल रहते हैं. मां लक्ष्मी की कृपा उन पर नहीं बन पाती. ज्योतिष शास्त्र में ऐसे कई उपाय बताए गए हैं जिन्हें आजमाकर इस तरह की बाधा को कुछ हद तक दूर किया जा सकता है. आइए जानते हैं धन प्राप्ति के कुछ उपाय-

- ब्रह्म मुहूर्त में उठ कर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र पहन कर लक्ष्मी सूक्त और श्री सूक्त का पाठ करें. कहा जाता है कि ऐसा लगातार 108 दिनों तक करने से धन संबंधी सभी परेशानियां दूर हो जाएंगी.
- काली मिर्च के 5 दाने लें और उन्हें अपने सिर से 7 बार उतारें. इसके बाद इनमें से 4 दाने चारों दिशाओं में फेंक दें और पांचवे दाने को आकाश की ओर फेंक दें.
- शुक्रवार के दिन मां लक्ष्मी की पूजा करें. पूजा के बाद 11 हल्दी की गांठें लें और उन्हें लाल कपड़े में बांधकर तिजोरी में रख दें. कहा जाता है कि इससे तिजोरी कभी खाली नहीं रहती.
- श्रीयंत्र को मंदिर में या घर के ईशान कोण में शुक्रवार, दीवाली के दिन या किसी अन्य शुभ दिन में स्थापित करें और फिर प्रतिदिन इसकी पूजा करें. कहा जाता है कि इससे घर में मां लक्ष्मी का स्थाई वास होता है।
- शुक्रवार को अशोक वृक्ष की थोड़ी सी जड़ लाकर अपने घर की तिजोरी में रखें. कहा जाता है कि इससे घर में धन की कमी नहीं होती और धन का आगमन बना रहता है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

ऑस्ट्रेलियाई ओपन : बोपन्ना व एबडेन की जोड़ी ने तनावपूर्ण मुकाबले में माचाक व झांग को हराया

पहले ग्रैंडस्लैम से सिर्फ एक जीत दूर बोपन्ना

फाइनल में सिमोन बोलेली और आंद्रिया वावास्सोरी से होगी भिड़ंत

सेमीफाइनल में 6-3, 3-6, 7-6 (10-7) से जीते बोपन्न व एबडेन

भाषा। मेलबर्न

रोहन बोपन्ना पहला ग्रैंडस्लैम खिताब अपने नाम करने से अब बस एक जीत दूर है जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन के साथ यहां ऑस्ट्रेलियाई ओपन पुरूष युगल फाइनल में प्रवेश कर लिया. दूसरी वरीयता प्राप्त बोपन्ना और एबडेन की जोड़ी ने थॉमस माचाक और झांग झिंझेन की जोड़ी को गुरुवार को तनावपूर्ण सेमीफाइनल में 6-3, 3-6, 7-6 (10-7) से हराया. करीब दो घंटे तक चले मैच में सुपर टाइ ब्रेकर्स में उनका अनुभव काम आया. झांग विश्व रैंकिंग में 54वें और माचाक 75वें स्थान पर हैं. दोनों एकल रैंकिंग में शीर्ष 100 में होने के साथ बेहद शानदार खिलाड़ी है और उन्होंने बोपन्ना तथा एबडेन को कड़ी चुनौती दी. एक दिन पहले ही बोपन्ना ने विश्व युगल रैंकिंग में शीर्ष स्थान सुनिश्चित किया था. उन्होंने मैच में दमदार सर्विस और स्ट्रोक्स का प्रदर्शन किया. वह 2013 और 2023 में अमेरिकी ओपन फाइनल में पहुंचे हैं लेकिन ग्रैंडस्लैम खिताब नहीं जीत सके.

पर्दे के पीछे काफी तैयारियां चलती रहती हैं : रोहन बोपन्ना

मैच के बाद बोपन्ना ने कहा कि सर्किट पर हमने कई सुपर टाइब्रेकर खेले हैं. हमारे प्रतिद्वंद्वियों का रिटर्न बेहतरीन था जिससे हमें सर्विस मजबूत रखनी थी. एबडेन के साथ मेरा तालमेल अच्छा रहा है. इस उम्र में भी सफलता के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा कि पर्दे के पीछे काफी तैयारियां चलती रहती है. मेरे साथ एक बड़ी टीम है. मैने अपना फोकस बनाये रखा और फिटनेस पर पूरा ध्यान दिया. मैं सिर्फ योग करता हूं और मुझे लगता है कि मानसिक मजबूती से मदद मिली.

- सेमीफाइनल में 7-6, 6-4 से जीती सबालेंका
- लगातार दूसरी बार फाइनल में पहुंची सबालेंका

गॉफ को हराकर सबालेंका फाइनल में

गत चैंपियन एरिना सबालेंका ने गुरुवार को यहां कोको गॉफ को हराकर अमेरिकी ओपन फाइनल में हार का बदला चुकता किया और सेरेना विलियम्स के बाद लगातार दो बार ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में जगह बनाने वाली पहली महिला खिलाड़ी बनीं. सबालेंका ने सेमीफाइनल में गॉफ को 7-6, 6-4 से हराया. शनिवार को होने वाले फाइनल में सबालेंका की भिड़ंत झेंग किनवेन और डायना यास्त्रेमस्का के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगी. झेंग और दुनिया की 93वें नंबर की खिलाड़ी यास्त्रेमस्का पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम के समीफाइनल में खेल रहे हैं.

जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी
संदेश

आज 26 जनवरी को भारत के सभी देशवासियों के द्वारा आस्था एवं उत्साह के साथ एक राष्ट्रीय पर्व के रूप में मनाया जा रहा है। 75वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर भारत विश्व के विकसित देशों की पंक्ति में खड़े होने की ओर अग्रसर है। देश की इस महान उपलब्धि में झारखण्ड राज्य एवं जमशेदपुर के उद्योग जगत का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। जमशेदपुर लौह नगरी की पावन श्रमशील धरा पर स्थित झारखण्ड का प्रथम महिला विश्वविद्यालय भी त्वरित गति से विकास पथ पर अग्रसर है। विश्वविद्यालय अपने सिदगोड़ा स्थित नये भवन में सुव्यवस्थित हो गया है। स्नातकोत्तर एवं अन्य कई पाठ्यक्रमों की कक्षाएँ नये भवन में संचालित हो रही है। स्नातक एवं अन्य व्यवसायिक शिक्षा से संबंधित पाठ्यक्रमों की कक्षाएँ बिष्टुपुर स्थित भवन में चल रही हैं। विश्वविद्यालय–पुस्तकालय के डिजिटलाइजेशन का कार्य भी पूर्ण हो चुका है। विश्वविद्यालय के सभी प्रशासनिक कार्य भी नये भवन से निष्पादित हो रहे हैं। रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के लिए विभिन्न संस्थानों/प्रतिष्ठानों के साथ MOU किये गये है। विश्वविद्यालय Placement Cell के माध्यम से हमारे विश्वविद्यालय के कई छात्राओं को उत्कृष्ट संस्थानों व प्रतिष्ठानों में अच्छी नौकरियों में नियोजित होने का अवसर प्राप्त हुआ है। जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी की प्रथम कुलपति होने के नाते इसे राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी शैक्षणिक संस्था बनाने के लिए मैं कृतसंकल्प हूँ।

अंत में गणतंत्र दिवस के अवसर पर जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी इस राष्ट्रभक्तिपूर्ण मनःस्थिति में समस्त विश्वविद्यालय परिवार एवं शहरवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित करता है।

प्रो. (डॉ.) अंजिला गुप्ता
कुलपति

पेज 1 का शेष...

तौ मोंहि बरजउ भय...

उनके राम तो सभासदों से खुल कर कहते हैं कि बिना किसी भय के मेरे गलत, अनीतिगत निर्णयों का विरोध करें. तुलसी लिखते हैं-

एक बार रघुनाथ बोलाए, गुरु द्विज पुरवासी सब आए
बैठे गुरु मुनि अरु द्विज सज्जन, बोले वचन भगत भव भंजन
सुनहु सकल पुरजन मम बानी, कहंउ न कछु ममता उर आनी
नहिं अनीति नहिं कछु प्रभुताई, सुनहु कहहु जो तुमहिं सोहाई
और अंत में राम कहते हैं-
जौं अनीति कछु भाखौं भाई, तौ मोहिं बरजहु भय बिसराई.

रामराज्य की स्थापना के उद्घोषक चाहे आजादी की लड़ाई के समय के हों, बाद के हों, तब के हों या अब के, किसी ने भी प्रजा को तो छोड़िए, अपने दलीय नेताओं, कार्यकर्ताओं को यह स्वतंत्रता दी है ? जब रामराज्य का सपना देखने और दिखानेवाले गांधी जी पट्टाभिसीतारमैया की सुभाष बाबू के हाथों पराजय को अपनी हार बताते हुए खिन्न हो गये और अंततः सुभाष को अध्यक्ष पद छोड़ना पड़ा, तो छुटभैये नेताओं की क्या बात करें ? उस समय के शासक की लोक में आस्था देखिए. दशरथ चक्रवर्ती सम्राट थे. फिर भी उन्होंने राम के राज्याभिषेक का निर्णय स्वयं नहीं लिया था. उन्होंने पंचायत बुलायी थी. उन्होंने पंचायत में यह प्रस्ताव रखा था- जौ पांचौ मन लागहिं नीका, करहुं हरषि हिय रामहिं टीका. यानी यदि आपलोगों को मंजूर हो तो मैं प्रसन्नतापूर्वक राम का राज्याभिषेक करना चाहूंगा. वह न भी पूछते तो उन्हें रोकनेवाला कौन था, वह भी राम के राज्याभिषेक के लिए. हालांकि राम का अभिषेक नहीं हो सका. राम वनगमन के लिए माता कौशल्या से आज्ञा लेने पहुंचे. इस प्रसंग के बहाने तुलसी ने लोकतंत्र का एक नया चित्र उकेरा है. कौशल्या कहती हैं- जौं केवल पितु आयसु ताता, तो जनि जाहु जानि बड़ि माता. अर्थात् यदि केवल पिता ने वनवास का आदेश दिया है तो मत जाओ, क्योंकि मैं बड़ी माता हूं और उस आदेश का निषेध करती हूं. दूसरे शब्दों में कहें तो वोट बराबर है. एक इधर, एक उधर. लेकिन-जौं पितु मातु कहेउ बन जाना, तौ कानन सत अवध समाना. यानी यदि माता (कैकेयी) और पिता दोनों का आदेश है तो जंगल सैकड़ों अयोध्या के समान है. वन जाओ, क्योंकि उधर दो वोट हो गये हैं.

अयोध्या के राजकुमार के लिए केवट ने नाव देने से मना कर दिया

दशरथ अपने आमात्य सुमंत को कहते हैं कि राम को ले जाओ, थोड़ा नगर की सीमा के बाहर घुमा-फिरा कर वापस ले आओ. लेकिन राम सुमंत को जबर्दस्ती वापस भेज देते हैं और अयोध्या के सुख सौंदर्य को ठुकरा कर वन गमन कर जाते हैं. सुख सौंदर्य भी ऐसा कि जहां के भवन भी स्वर्णजड़ित हैं- जातरूप मनि रचित अटारी. आज किसी भी शासक वर्ग के प्रतिनिधि का अभीष्ट ही सत्ता है, चाहे उसकी प्राप्ति के साधन कुछ भी हों. वनगमन के क्रम में राम की पहली मुठभेड़ निषाद राज केवट से होती है-मांगी नाव न केवट आना. बताइए अयोध्या के राजकुमार के लिए केवट ने नाव देने से मना कर दिया. अपने यूपी, बिहार, झारखंड के किसी नेता के बेटे को कोई नाविक ना कह देता तो शायद प्राण संकट में पड़ जाते. यद्यपि इस अवज्ञा पर लक्ष्मण तमतमा गये. लेकिन केवट और आगे बढ़ गया. बोला राम जी और आपके पिता दशरथ जी की सौगंध खाता हूं. लक्ष्मण जी को तीर मारना है तो मार दें, लेकिन नाव तब तक नहीं लाऊंगा जब तक आप पैर नहीं धुलायेंगे. तुलसी लिखते हैं-

पद कमल धोई चढ़ाई नाव न नाथ उतराई चहौं
मोहिं राम राउर आन दशरथ सपथ सब साची कहौं
बरु तीर मारहुं लखनि पै जब लगि न पाय पखारिहौं
तब लगि न तुलसीदास नाथ कृपाल पारु उतारिहौं

राम सही अर्थों में समाजवादी थे

केवट के प्रेम लपेटे अटपटे बैन सुन कर राम जी लक्ष्मण और सीता की ओर देख कर विहंसते हैं और केवट के पांव धोने की जिद मान लेते हैं. इसके बाद तो वह पैदल ही चलते हैं. वाल्मीकि रामायण में जो अयन है, उसके दो अर्थ हैं, एक घर और दूसरा गति यानी चलना. घर तो राम ने चित्रकूट में बनाया, लेकिन उन्होंने किसी नगर में प्रवेश नहीं किया. न सुग्रीव की किष्किंधा में और न रावण की लंका में. वह वनवास में थे, तो वन में ही रहे. यह था राम का संकल्प. अपनी मां और अयोध्या की जनता से किया गया वादा. वह कह कर आये थे- पिता दीन्ह मोहिं कानन राजू. उन्हें एक तरह से जंगल की व्यवस्था ठीक करनी थी, जिसे उन्होंने किया भी. यह राम की गारंटी थी. उन्होंने जंगल में अपनी अलग पहचान बनायी. ऋषियों, मुनियों, तपस्वियों को सहारा दिया. वे सब तो वन में ही तो रहते थे और असुर, निशाचर, राक्षस उनकी स्वतंत्रता में बाधक थे. उनसे कर्म का अधिकार छीनते थे. इसलिए उन्होंने निसिचरहीन करौं महि भुज उठाई प्रन कीन्ह की उद्घोषणा की. यह एक वनवासी का संकल्प था त्रस्त, आक्रांत वनवासियों की रक्षा के लिए. वह चाहते तो सुग्रीव के बदले बालि से मित्रता कर लेते और रावण बालि के एक संदेश पर सीता को लौटा देता. लेकिन राम जंगल गये थे वंचितों, पीड़ितों, शोषितों को न्याय दिलाने, उन्हें संगठित करने. राम स्वयं एक वंचित थे. उन्होंने आसान राह नहीं चुनी. वे जुगाड़ू नहीं थे. वे पुरुषार्थी थे. इसलिए संकट में उन्होंने अपने लिए अवसर तैयार किया. उन्होंने सुग्रीव की सहायता की, उनसे मित्रता की, वानरों, रीक्षों का समूह एकत्र किया और उन्हें एक सबल प्रदान किया. वे सही अर्थों में समाजवादी भी थे. उन्होंने शबरी के जूठे बेर खाने में भी संकोच नहीं किया.

राम महान बने, मर्यादा पुरुषोत्तम बने अपने कर्म से

भगवान श्री राम हमारे नेताओं की तरह नहीं थे, जो अपने निहित स्वार्थों की गरज से दलितों के घर भोजन करने जाते हैं या उनके यहां एक रात गुजारते हैं. राम के शौर्य से विश्व उसी समय परिचित हो गया था, जब उन्होंने ताड़का का वध किया और सुबाहु व मारीच को परास्त कर दिया था. उनके पराक्रम की चर्चा चहुंओर तभी होने लगी थी, जब जनकपुर में शिव का धनुष - लेत चढ़ावत खैंचत गाढ़े, काहू न लखा देखि सब ठाढ़े के जादुई अंदाज में तोड़ दिया था. लेकिन तब साथ में विश्वामित्र थे. जंगल में राम के व्यक्तित्व व कृतित्व की कमान स्वयं उनके हाथ में थी. रावण बालि और सहस्रबाहु दोनों से हार चुका था. इसलिए उसके वध मात्र से राम महान नहीं बने. राम महान बने, मर्यादा पुरुषोत्तम बने विपरीत परिस्थितियों में वन में किये गये अपने कर्म से. उनका रामत्व प्रतिपादित हुआ व्यष्टि के बजाय समष्टि की चिंता से, उसके प्रति परदुखकातरता के भाव से. आज हमारे गणतंत्र के नायक जिताऊ उम्मीदवार खोजते रहते हैं, जाति-धर्म के चौसर बिछाते रहते हैं, खुटचाल चलते रहते हैं. अब जबकि राम अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के साथ लौट आये हैं, क्या उम्मीद की जा सकती है कि हमारे कर्णधार हमारे गणतंत्र को वह आभा प्रदान करने की ईमानदार कोशिश करेंगे, जिसका सपना हम 75 साल से देख रहे हैं ?

भारतीय टीम का प्रदर्शन शानदार, 246 पर सिमटा इंग्लैंड

स्पिनरों के सामने बैजबॉल बेअसर

3-3 विकेट लिए जडेजा व अश्विन ने

76 रन बनाकर नाबाद हैं जायसवाल

भाषा। हैदराबाद

भारतीय स्पिन तिकड़ी ने इंग्लैंड की 'बैजबॉल' रणनीति को बेअसर साबित करते हुए पहले क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन गुरुवार को उसे पहली पारी में 246 रन पर समेट दिया. स्टोक्स ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया लेकिन उनके बल्लेबाज भारतीय स्पिन तिकड़ी का सामना नहीं कर सके.

मददगार पिच पर रविचंद्रन अश्विन ने 68 और रविंद्र जडेजा ने 88 रन देकर तीन तीन विकेट चटकाये जबकि अक्षर पटेल और जसप्रीत बुमराह को दो दो विकेट मिले. पहली ही गेंद से आक्रामक खेलने की इंग्लैंड की 'बैजबॉल' रणनीति कहीं नजर नहीं आई जिसके दम पर पिछले कुछ अर्से में उसने अपार सफलता हासिल की है.

भारतीय बल्लेबाजों ने की शानदार शुरुआत

यशस्वी जायसवाल के शानदार अर्धशतक से मेजबान भारत ने अच्छी शुरूआत की. पहले दिन का खेल समाप्त होने पर भारत ने 23 ओवर में एक विकेट पर 119 रन बना लिये थे . शानदार फॉर्म में दिख रहे युवा बल्लेबाज जायसवाल 70 गेंद में 76 रन बनाकर खेल रहे हैं जिसमें नौ चौके और तीन छक्के शामिल हैं.

अंडर-23 झारखंड क्रिकेट टीम में पलक चयनित

रांची। बूटी क्रिकेट क्लब की खिलाड़ी कुमारी पलक का चयन अंडर-23 झारखंड महिला क्रिकेट टीम में हुआ.

कुमारी पलक ने इस वर्ष झारखंड क्रिकेट महिला अंडर-15 की कप्तान करते हुए बेहतरीन प्रदर्शन किया है. इस उपलब्धि पर कोच पंचित कुमार महतो और कुमारी पलक के परिवार ने उन्हें बधाई दी. बता दें कुमारी पलक की मां संगीता कुमारी भगत जो नगड़ी थाना में एसआई के पद पर कार्यरत है और पिता जय भरत सिंह जिनका खुद का व्यापार देवघर में है.

एसजीएफआई : वुशू में झारखंड ने जीते 4 कांस्य

रांची। रांची में आयोजित राष्ट्रीय स्कूल खेल प्रतियोगिता में गुरुवार को दूसरे दिन अंडर -14 बालक कबड्डी व अंडर-17/19 बालक,बालिका वुशू प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. झारखंड की बेटियों ने वुशू में झारखंड की झोली में चार कांस्य पदक डाले. राज्य की सोनोका कुमारी, निशा कुमारी, खुशी कुमारी, राखी कुमारी ने कांस्य पदक जीता, साथ ही झारखंड की होलिका कुमारी और सुमन कुमारी डे ने फाइनल में जगह बनाई. वहीं कबड्डी के बालक वर्ग में झारखंड की टीम को हिमाचल प्रदेश के हाथों हार का सामना करना पड़ा.

शुभकामना संदेश
झारखण्ड सहित सभी देशवासियों को मेरी ओर से
गणतंत्र दिवस की अनेक शुभकामनाएं

आज हम सभी हर्ष और उल्लास के साथ राष्ट्र के 75वें गणतंत्र दिवस मना रहे हैं। 26 जनवरी, 1950 को आज ही के दिन भारत का संविधान लागू हुआ था। हम भारत के लोगों को यह गर्व है कि लंबी पराधीनता और अनेक चुनौतियों का सामना करते हुए भारत के संविधान सभा के माध्यम से हमारे देश का संविधान निर्मित किया गया।

भारत का संविधान देशवासियों के लिए ऐसी संहिता है, जिसमें स्वतंत्रता संग्राम के आदर्श, देश के शासन और संस्कृति में विविधताओं को समावेशित करते हुए जनता के अधिकारों को देश के सामाजिक और राजनितिक व्यवस्था में लोकतांत्रिक तरीके से स्थापित किया है। न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व की भावनाओं को एक सूत्र में पिरोते हुए भारत का संविधान विश्व के महानतम संविधानों में से एक है।

आईए हम सभी इस पावन अवसर पर भारत के स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करते हुए झारखण्ड सहित देश के सभी प्रांतों से रहे संविधान सभा के सदस्यों को याद करें। जिनके अथक प्रयास से देश के लोगों को स्वतंत्रता और संविधान प्राप्त हुए।

जय हिन्द, जय भारत, जय झारखण्ड

रबीन्द्र नाथ महतो
अध्यक्ष,
झारखण्ड विधानसभा, रांची

चौथी बार कोहली ने जीता वनडे क्रिकेटर ऑफ द ईयर पुरस्कार

दुबई। भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली को पिछले साल घरेलू सरजमीं पर विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के लिए गुरुवार को आईसीसी का साल का सर्वश्रेष्ठ पुरुष वनडे क्रिकेटर 2023 चुना गया. कोहली का यह चौथा पुरस्कार है. वह पिछले साल वनडे में हमवतन शुभमन गिल के बाद सबसे अधिक रन बनाने वाले दूसरे खिलाड़ी रहे. पूर्व भारतीय कप्तान कोहली ने छह शतक और आठ अर्धशतकों से पिछले साल 1377 रन बनाये. यह साल इसलिये याद किया जायेगा कि कोहली ने सचिन तेंदुलकर के वनडे में शतकों के रिकॉर्ड को तोड़ दिया था. कोहली ने भारत को विश्व कप में 11 मैच में रिकॉर्ड 765 रन बनाकर 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' पुरस्कार भी हासिल किया था.

हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड
इंडियन कॉपर कॉम्पलेक्स, मऊभंडार
75वें गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड / इंडियन कॉपर कॉम्पलेक्स प्रबंधन की ओर से घाटशिला अनुमंडल के समस्त निवासियों एवं ताम्र परिवार के सभी सदस्यों को हार्दिक बधाई एवं ढेर सारी शुभकामनाएं।
श्याम सुंदर सेठी
महाप्रबंध सह इकाई प्रमुख
इंडियन कॉपर कॉम्पलेक्स
Ref. HCI/ICC/PR/ID/2014 Dt. 25.01.2024

शीतलहर का कहर, 24 घंटे में दो बच्चों समेत 5 लोगों की मौत

पटना । राजधानी पटना समेत पूरा बिहार इन दिनों भीषण ठंड और शीतलहरी की चपेट में है. जानकारी के अनुसार, राज्य में अलग-अलग जिलों में बुधवार को पांच लोगों की मौत हुई है. इनमें मुजफ्फरपुर और लखीसराय के दो छात्र, गोपालगंज के डेहरी पुलिस लाइन में पदस्थापित सिपाही, बक्सर के सिमरी रामोपट्टी का किसान और सारण में एक व्यक्ति शामिल हैं. आशंका जतायी जा रही है कि ठंड के कारण सभी की मौत हुई है. जानकारी के अनुसार, मुजफ्फरपुर के बोचहां में क्लास 6 का छात्र कुर्बान सुबह स्कूल गया था. 10 बजे के बाद वह कांपता हुआ घर पहुंचा. आनन-फानन में उसे डॉक्टर के पास ले जाया गया. लेकिन उससे पहले ही उसकी मौत हो गयी थी. मुजफ्फरपुर डीएम प्रणव कुमार के अनुसार, ठंड से बच्चे की मौत हुई है. वहीं लखीसराय के कजरा प्राथमिक विद्यालय श्रीघना की है. जहां क्लास वन का छात्र प्रार्थना के दौरान बेहोश हो गया. डॉक्टर के पास ले जाने के क्रम में उसने दम तोड़ दिया. तीसरी घटना गोपालगंज के डेहरी पुलिस लाइन में पदस्थापित शंभू राय की मौत हो गयी. चौथी घटना बक्सर के सिमरी रामोपट्टी के किसान चंद्रदीप राम की अचानक तबीयत बिगड़ गयी. वहीं सारण के तरैया के खराटी गांव में नागेश्वर ठाकुर की ठंड से मौत हो गयी.

25 पुलिसकर्मियों होंगे सम्मानित

पटना । गणतंत्र दिवस के मौके पर 25 अलग-अलग श्रेणी के उनके उत्कृष्ट और साहसी कार्य के लिए पुलिसकर्मियों को अवार्ड देने की घोषणा की गई है. ज्योति कुमार सिंह एएसआई, शंभू महतो कांस्टेबल, धर्मेंद्र कुमार झा एडिशनल एसपी, धर्मेंद्र पासवान सब इंस्पेक्टर, वीर बहादुर रोका जूनियर कमांडो, स्वर्गीय विश्व उरांव हवलदार को गैलंट्री अवॉर्ड दिया गया है. सभी बिहार पुलिस में हैं, जिन्हें गणतंत्र दिवस के अवसर पर गैलंट्री अवॉर्ड देने की घोषणा की गई है. वहीं 2 पुलिसकर्मियों को राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित करने की घोषणा की गई है.

बैंक लूटकांड का आरोपी गिरफ्तार

अररिया । अररिया में दो दिन पहले मंगलवार को एडीबी चौक स्थित एक्सिस बैंक में एक करोड़ से अधिक के लूटकांड के बाद सक्रिय हुई अररिया पुलिस ने 20 माह पहले बैंक ऑफ इंडिया बैंक लूटकांड के फरार आरोपी मो.कैशर को गिरफ्तार किया है. पुलिस ने मो.कैशर पिता मो.सुधीर को मधेपुरा जिला के चौसा थाना क्षेत्र के कालासन गांव से गिरफ्तार किया. यह जानकारी अररिया जिला पुलिस की ओर से जारी प्रेस रिलीज में दी गई.

नोवार्टिस इंडिया के प्रबंध निदेशक संजय मुर्देश्वर ने दिया इस्तीफा

नयी दिल्ली । नोवार्टिस इंडिया के वाइस चेयरमैन और प्रबंध निदेशक संजय मुर्देश्वर ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है. कंपनी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी. दवा कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसके निदेशक मंडल ने बृहस्पतिवार को हुई बैठक में मुर्देश्वर का इस्तीफा मंजूर कर लिया. मुर्देश्वर ने 25 जनवरी, 2024 को एक पत्र में निदेशक और कंपनी के कर्मचारी के तौर पर दो अप्रैल, 2024 को कारोबारी घंटों के बाद पद छोड़ने की सूचना दी थी. मुर्देश्वर ने निदेशक मंडल को भेजे अपने पत्र में कहा, मेरी व्यक्तिगत और व्यावसायिक आकांक्षाएं समय के साथ विकसित हुई हैं, और मेरा मानना है कि यह अपने लिए एक नई दिशा अपनाने का सही समय है.

वेदांता का शुद्ध लाभ 18 प्रतिशत गिरा

नयी दिल्ली । उद्योगपति अनिल अग्रवाल की अगुवाई वाली वेदांता लिमिटेड का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर, 2023) में 18.3 प्रतिशत गिरकर 2,013 करोड़ रुपये रहा है. कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 2,463 करोड़ रुपये रहा था. कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि तिमाही के दौरान उसकी एकीकृत आय बढ़कर 36,320 करोड़ रुपये हो गई, जो बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 34,818 करोड़ रुपये थी. वेदांता रिसोर्सेज लिमिटेड की अनुषंगी वेदांता लिमिटेड एक वैश्विक प्राकृतिक संसाधन कंपनी है.

पीएम ने यूपी को 21 हजार करोड़ की परियोजनाओं की दी सौगात

साल 2027 तक भारत को विकसित बनाना लक्ष्य: मोदी

एजेंसी। बुलंदशहर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश को करीब 21 हजार करोड़ की विभिन्न विकास परियोजनाओं की सौगात दी. उन्होंने बागपत, गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, हापुड़, बुलंदशहर और मेरठ जिले से संबंधित 20,700 करोड़ रुपये से अधिक की 46 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास. इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के न्यू खुर्जा और न्यू रेवाड़ी के बीच 173 किलोमीटर रेलखंड पर मालगाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. प्रधानमंत्री ने बुलंदशहर में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि 22 जनवरी को अयोध्या धाम में प्रभु श्रीराम का दर्शन हुआ. आज जनता जनार्दन के दर्शन का सौभाग्य मिला है. आज वह जहां भी होंगे, वे खुश हो रहे होंगे. प्राण प्रतिष्ठा का कार्य पूरा हुआ है. राष्ट्र प्रतिष्ठापना का कार्य पूरा करना है. हमारा लक्ष्य 2027 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है. लक्ष्य बड़ा हो तो उसके लिए हर साधन जुटाना होता है. सबको मिलकर प्रयास करना होता है. भारत का विकास उत्तर प्रदेश के विकास के बिना संभव नहीं है. इसके लिए खेत खलिहाल, विज्ञान और उद्योग जैसी हर शक्ति को जगाना है.

कार्यक्रम को संबोधित करते मुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उप्र के 25 करोड़ जनमानस की ओर से प्रधानमंत्री मोदी का हृदय से स्वागत अभिनंदन करता हूं. उप्र आज देश के विकास की प्रक्रिया के साथ तेजी से बढ़ता हुआ राज्य है. यह सब प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन और आशीर्वाद से संभव हो पा रहा है. हम सबका सौभाग्य है कि मोदी जैसा नेतृत्व हम सबको प्राप्त हो रहा है. मौसम की विपरीत परिस्थितियों को देखते हुए प्रधानमंत्री मोदी सड़क मार्ग से दिल्ली से बुलंद शहर पहुंचे हैं. इससे पहले कभी कोई प्रधानमंत्री ऐसे नहीं आया होगा. अयोध्या का कार्यक्रम पूरे भारत एवं दुनिया ने देखा है. उसके तुरंत बाद बुलंदशहर आए और उत्तर प्रदेश को 21 हजार करोड़ की परियोजनाओं की सौगात दे रहे हैं. पहले मीटर गेज को ब्राड ग्रज करने में भी दिक्कत होती थी. आज नई-नई ट्रेनें चलाई जा रही हैं.

लोकतंत्र की यात्रा में चुनाव आयोग की भूमिका अहम : राष्ट्रपति मुर्मू

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को 14वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे लोकतंत्र की विशालता और विविधता हमारे लिए गर्व की बात है. उन्होंने कहा कि हमारे लोकतंत्र की गौरवशाली यात्रा में चुनाव आयोग की अहम भूमिका रही है. नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम को राष्ट्रपति ने चुनावों के संचालन में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए राज्य और जिला स्तर के अधिकारियों को वर्ष 2023 के लिए सर्वश्रेष्ठ चुनावी अभ्यास पुरस्कार प्रदान किए. मतदाताओं की जागरूकता में उनके बहुमूल्य योगदान के लिए सरकारी विभागों और मीडिया संगठनों सहित महत्वपूर्ण हितधारकों को पुरस्कार भी प्रदान किए गए.

राहुल की यात्रा जहां से गुजरी , वहां की सारी सीटें हम जीतेंगे : हिमंत

एजेंसी। गुवाहाटी

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को दावा किया कि भाजपा उन सभी निर्वाचन क्षेत्रों में जीत हासिल करेगी जहां से राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' गुजरी है. उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस द्वारा राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दौरान असम में यात्रा का आयोजन करना सांप्रदायिक तनाव पैदा करने की राजनीतिक साजिश थी. शर्मा ने कहा कि वह जहां भी प्रचार करेंगे, भाजपा को जीत मिलेगी. इस वजह से भाजपा को उनकी जरूरत है. उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के बाद राहुल गांधी को गिरफ्तार किया जाएगा. असम पुलिस ने यात्रा के दौरान स्वीकृत मार्ग से हटकर गुवाहाटी शहर में प्रवेश करने के लिए अपने समर्थकों को बैरिकेड तोड़ने के लिए उकसाने के आरोप में राहुल गांधी और कई अन्य कांग्रेस नेताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया है.

ट्रंप की अपील पर सुनवाई से इनकार

पोर्टलैंड। अमेरिकी राज्य मेन की शीर्ष अदालत ने बुधवार शाम को इस बात पर विचार करने से इनकार कर दिया कि क्या पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प राज्य में मतदान प्रक्रिया में शामिल रह सकते हैं. अदालत ने एक न्यायाधीश के इस फैसले को बरकरार रखा कि पहले कोलोराडो में इसी तरह के एक मामले में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट अपना फैसला सुना ले, उसके बाद इस मामले में विचार किया जाएगा.

नौका दुर्घटना मामले में मुख्य आरोपी गिरफ्तार

वडोदरा। गुजरात में वडोदरा शहर के बाहरी क्षेत्र में एक झील में नौका के पलट जाने के मामले में पुलिस ने गुरुवार को उस व्यक्ति को गिरफ्तार किया जो हरनी झील में मनोरंजन क्षेत्र में सभी प्रकार के संचालन का जिम्मा संभालता था. झील में नौका पलटने से 12 छात्रों और दो शिक्षकों की मौत हो गई थी. एक और व्यक्ति की गिरफ्तारी के साथ ही इस मामले में अब तक गिरफ्तार किए गए लोगों की संख्या बढ़कर नौ हो गई है.

'गठबंधन नहीं होने के लिए अधीर जिम्मेदार'

नयी दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस नेता डेरेक ओब्रायन ने गुरुवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में कांग्रेस और उनकी पार्टी के बीच गठबंधन कारगर नहीं होने के लिए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी जिम्मेदार हैं. इससे एक दिन पहले ही बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने घोषणा की थी कि उनकी पार्टी लोकसभा चुनाव में राज्य में अकेले मैदान में उतरेगी. ओब्रायन ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में गठबंधन कारगर नहीं हो पा रहा, उसकी वजह अधीर रंजन चौधरी हैं.

भगवान के खिलाफ टिप्पणी से विवाद

त्रिशूर (केरल)। केरल में एक वामपंथी विधायक की फेसबुक पर एक पोस्ट के जरिये भगवान राम, सीता और लक्ष्मण के खिलाफ की गई टिप्पणी से विवाद खड़ा हो गया है. त्रिशूर विधानसभा सीट से भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के विधायक पी बालाचंद्रन ने विवाद उठने के बाद, फेसबुक से पोस्ट को वापस ले लिया. उन्होंने कहा कि उन्होंने तो केवल एक पुरानी कहानी पोस्ट की थी लेकिन इससे भगवान राम के भक्तों को जो पीड़ा हुई उसके लिए वह खेद व्यक्त करते हैं.

गैंगस्टर के बेटे उमर की गिरफ्तारी पर रोक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गैंगस्टर मुख्तार अंसारी के बेटे उमर अंसारी को राहत दी है. सुप्रीम कोर्ट ने 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में भड़काऊ भाषण देने के मामले में उमर अंसारी की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है. इससे पहले इलाहाबाद हाई कोर्ट ने उमर को अग्रिम जमानत देने से मना कर दिया था. विधानसभा चुनाव 2022 के दौरान उमर ने प्रशासन के साथ हिसाब-किताब बराबर करने की बात कही थी.

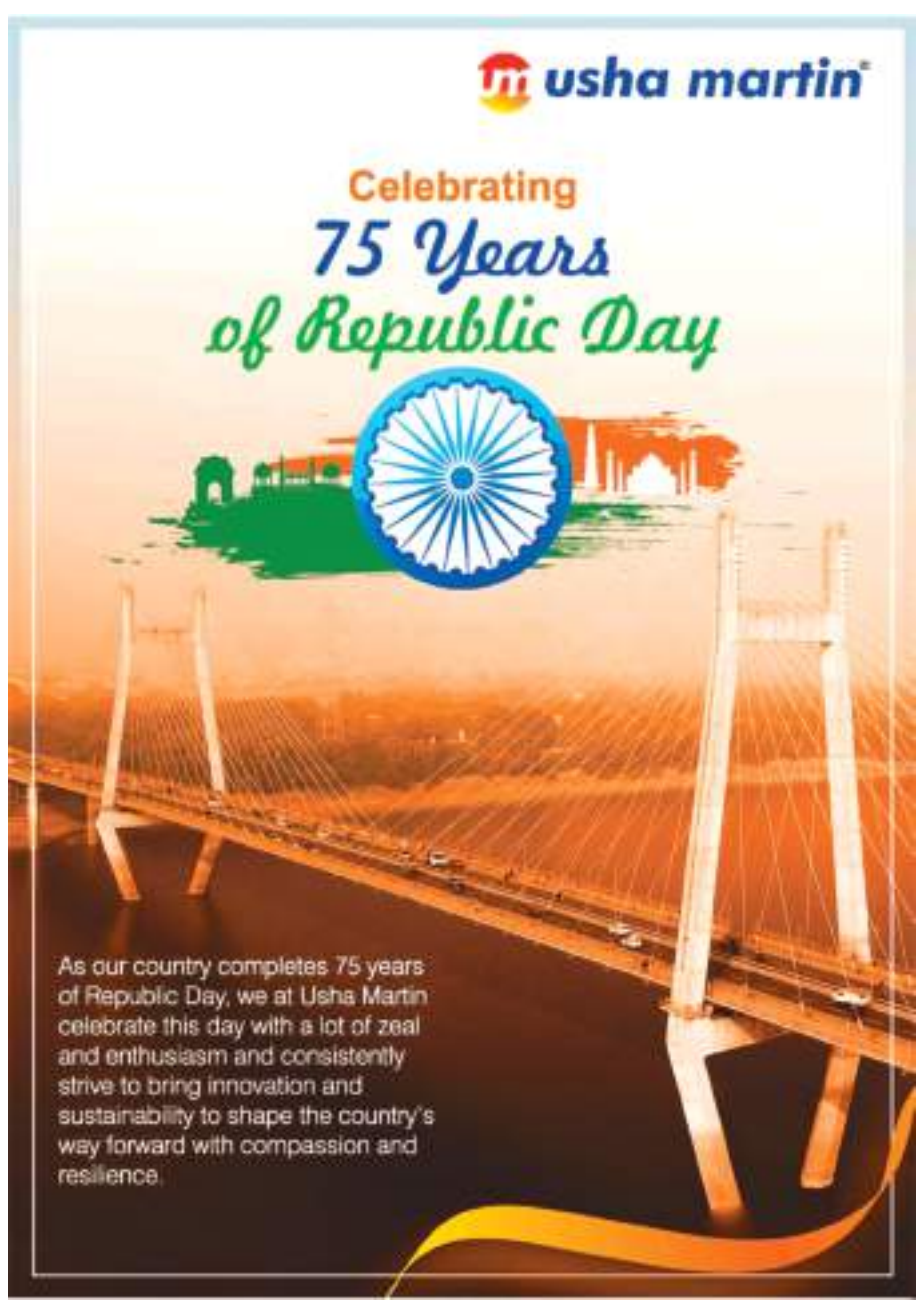

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)